स्थापित 1935

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अप्रैल २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०४

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१९ अप्रैल २०२६; अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक कोलकाता में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता, निर्वमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्रीद्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री पवन बंसल, निवर्तमान संयुक्त मंत्री श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार सुराणा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल मलावत, श्री आत्माराम सोंथलिया, पूर्वोत्तर के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी, झारखंड प्रांत के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल, श्री संतोष अग्रवाल, श्री प्रदीप जीवराजका, श्री विष्णु कुमार अग्रवाल सीए, श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री नितीन अग्रवाल, श्री संदीप गर्ग, श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री सुशील कुमार चौधरी, श्री बाबुलाल बंका एवं अन्य सदस्यगण।

इस अंक में

विशेष पेज-१७

संपादकीय

- राम ते अधिक राम कर दासा-हनुमान

अध्यक्षीय

- नव-चेतना का शंखनादः सरकार, समाज और संस्कारों का संगम

प्रांतीय समाचार

- गुजरात, पूर्वोत्तर, उत्कल, झारखंड, महाराष्ट्र, सिक्किम, आंध्रप्रदेश

संस्कार-संस्कृति चेतना

प्रणाम

अक्षय तृतीया (आखा तीज) बैशाख

भाग्य और कर्म

दान दिए धन न घटे

धैर्य, तीन गुरु

रपट

- सम्मेलन द्वारा "बिजनेस मीट" का आयोजन
- नवगठित राष्ट्रीय स्थायी समिति के सदस्य
- संगोष्ठी : सेमिनार, स्वास्थ्य
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

अक्षय तृतीया की हार्दिक शुभकामनाएँ!

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future

zykron®
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆अप्रैल २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक ४

◆एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **चिट्ठी आई है** ३
- **संपादकीय :** ४-५
  राम ते अधिक राम कर दासा - हनुमान
- **अध्यक्षीय :** ६
  नव-चेतना का शंखनादः सरकार, समाज और संस्कारों का संगम
- **सम्मेलन समाचार एवं रपट**
  सम्मेलन द्वारा 'बिजनेस मीट' का आयोजन ७
  सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय स्थायी समिति के सदस्य (सत्र २०२५-२७) ८
  संगोष्ठीः सामाजिक जीवन में संस्कार और शुचिता- चर्चा एवं चिंतन ९
  राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक १०-११
  स्वास्थ्य संगोष्ठी : "यूरोलॉजी एवं आर्थोपेडिक्स पर चर्चा १२,१५

  विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

  प्रणाम, अक्षय तृतीय (आखा तीज) १७-२०
  बैशाख, भाग्य और कर्म,
  दान दिए धन न घटे, धैर्य, तीन गुरु
- **प्रांतीय समाचार**
  गुजरात, पूर्वोत्तर, उत्कल, झारखंड, १६,२१-२२
  महाराष्ट्र, सिक्किम, आंध्रप्रदेश २५-३०
- मारवाड़ी व्यंग्य ३१
- **आलेख :**
  डिजिटल चक्रव्यूह ३२
- नए सदस्यों का स्वागत ३३-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆**प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

"मुँदऊँ आँख कतउँ कुछ नाहीं"। केवल एक शीर्षक नहीं, बल्कि हमारे समय की सबसे बड़ी विडम्बना का सजीव दर्पण है। लेखक ने अत्यंत सूक्ष्म दृष्टि से उस सामाजिक निष्क्रियता और आत्मकेंद्रित मानसिकता को उजागर किया है, जहाँ व्यक्ति सब कुछ देखकर भी अनदेखा करने की आदत का शिकार हो चुका है। यह लेख केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि भीतर तक झकझोर देने और आत्ममंथन के लिए विवश करने वाला है।

आज का समाज भौतिक प्रगति के शिखर पर पहुँचने के बावजूद नैतिकता, संवेदनशीलता और पारिवारिक मूल्यों के स्तर पर निरंतर अवनति की ओर अग्रसर है। संयुक्त परिवारों का विघटन, रिश्तों में बढ़ती औपचारिकता, और आत्मीयता का क्षरण–ये सब केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक संकट के संकेत हैं। लेखक ने अत्यंत प्रभावशाली शब्दों में यह स्पष्ट किया है कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं।

विशेष रूप से यह विचार अत्यंत मार्मिक है कि आज व्यक्ति समस्याओं पर चर्चा तो करता है, पर समाधान के लिए आगे आने का साहस नहीं जुटा पाता। यही मौन स्वीकृति समाज की सबसे बड़ी कमजोरी बनती जा रही है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होकर, छोटे-छोटे स्तर पर भी सकारात्मक पहल करे, तो समाज में व्यापक परिवर्तन संभव है।

लेख में वर्णित "मर्यादा" और "कर्तव्यबोध" के सिद्धांत आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। जब तक व्यक्ति अपने आचरण, विचार और व्यवहार में अनुशासन एवं संतुलन नहीं लाएगा, तब तक किसी भी प्रकार का सामाजिक सुधार अधूरा ही रहेगा। हमें यह समझना होगा कि समाज का निर्माण बाहरी व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि भीतर की जागरूकता और संस्कारों से होता है।

यह लेख हमें केवल समस्याओं का बोध नहीं कराता, बल्कि एक दिशा भी देता है–आंखें खोलकर देखने, सोचने और कार्य करने की दिशा। यह हमें याद दिलाता है कि परिवर्तन की शुरुआत सदैव स्वयं से होती है।

अंत में, मैं लेखक के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इतने सशक्त और सारगर्भित शब्दों के माध्यम से हमें हमारी जिम्मेदारियों का बोध कराया। यह लेख निस्संदेह समाज के हर वर्ग के लिए एक प्रेरणास्रोत है।

- **मनीष बाजोरिया**, सूरत

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर **मद्यपान** करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

राम ते अधिक राम कर दासा - हनुमान

हाल ही में हमने रामनवमी एवं हनुमान जयंती का पर्व श्रद्धापूर्वक पालन किया। राम हमारी संस्कृति के आस्था पुरुष हैं। सदियों से जनमानस में राम रचे बसे हैं। हमारे दैनन्दिन बोलचाल में राम का उल्लेख निरंतर होता रहता है। सिर्फ बोलचाल में ही नहीं राम कथा देश के प्राय सभी भागों में बड़े उत्साह एवं भक्ति के साथ सुना जाता है। हमारे नामो में भी 'राम' शामिल होता रहा है।

उत्तर पूर्व मणिपुर में रामानंदी संप्रदाय में राम कथा का प्रचलन सदियों से है। असम में राम कथा लोक संस्कृति लोकनाट्य चित्रकला में है। उड़ीसा में रामलीला का मंचन उड़िया भाषा में होता है। जगन्नाथ पुरी में रामनवमी भव्य रूप में मनाया जाता है। रामानुज संप्रदाय का मठ यहीं पर स्थित है। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध दीवार नृत्य में राम का प्रभाव है। बिहार में मिथिलांचल में भी चित्रकारी में राम है। राजस्थान में मेवाड़, कोटा, बूंदी, अलवर, बीकानेर और जयपुर में रामचरितमानस और बाल्मीकि रामायण के आधार पर अद्‌भुत चित्र उपलब्ध है। दक्षिण भारत में कर्नाटक में लोक संगीत में 'रामप्रिया' 'रघु प्रिय' राग है। कन्नड़ गीतों, लोक परंपरा और त्योहारों में राम संस्कृति का प्रभाव है। गुंटूर जिला में जटायु ने रावण से युद्ध किया। पंचवटी गोदावरी तट पर सबरी का आश्रम है। केरल तमिलनाडु में भी राम का प्रभाव साफ-साफ दिखता है। तमिल की कंब रामायण को आदर के साथ पढ़ा जाता है। केरल में राम कथा गाकर पंडारण जाति अपनी आजीविका चलाती है। केरल मे कछु रमन कच्च रामन रायपुरम रामनाथपुरम जैसे स्थान है। यही नहीं हमारे देश के बाहर भी थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया लाओस, मलेशिया, इंडोनेशिया जैसे देशों में राम एवं राम कथा का, रामायण के पात्रों का उल्लेख मिलता है। साधारणत: राम के बारे में हमारी सोच अधूरी है।

राम के लिए कहा गया है 'राम अनादि अखंड अनंता'। भारतीय ज्ञान परंपरा हमारे वेद, उपनिषद, पुराण और शास्त्र से मिलकर बने हैं। जीवन के सभी स्तरों के सभी पहलुओं पर यह परंपरा अपनी विशिष्ट दृष्टि प्रदान करती है। इस दृष्टिकोण के तहत राम एवं राम कथा का अतुलनीय स्थान है। राम भारतीय सोच के आदर्श हैं। जो सब में रमता है वह राम है - रमंते ईति राम:। रमंते योगिनो यास्मीन से राम: - योगी जन जिसमें रमण करते हैं वह राम है। ब्रह्मवैवर्त पुराण मे कहा गया है –

राम शब्दो विश्व वचनों मपीश्वर वाचक:

अर्थात – 'रा' शब्द परिपूर्णता का द्योतक है और 'म' परमेश्वर वाचक है चाहे निर्गुण ब्रह्म हो या दशरथि राम हो, विशिष्ट तथ्य यह है कि राम शब्द एक महामंत्र है।

संत तुलसीदास ने रामचरितमानस में राम की महिमा के लिए बाल कांड में कहा है -

"जो आनंदसिंधु सुखरासी। सीकर तें त्रैलोक सुपासी।।
से सुखधाम राम अस नामा। अखिल लोक दायक विश्रामा।।

ये जो आनन्द के समुद्र और सुख की राशि हैं, जिस आनन्दसिंधु के एक कण से तीनों लोक सुखी होते हैं, वे सुखधाम हैं और समस्त लोकों को विश्राम देने वाले हैं, उनका नाम 'राम' है।

कबीर दास जी ने राम के अनंत रूपों का अति सुंदर वर्णन किया है -

एक राम दशरथ का बेटा
एक राम घट घट में बैठा
एक राम सकल प्रसाएक
राम त्रिभुवन से न्यारा
तीन राम को सब कोई ध्यावे
चतुर्थ राम का मर्म न पावे।

अर्थात-कबीर साहब ने राम शब्द के अलग अलग अर्थ बताये है। राम का अर्थ सिर्फ दशरथ पुत्र राम नहीं है। राम का अर्थ है, जीवन के बारे में मेरा तत्वज्ञान / विचारधारा / भीतर की रोशनी /आत्मज्ञान / दृष्टीकोण, जो मेरे घट घट (शरीर और मन) के अंदर है।

कबीर साहब के राम संसार के कण-कण में और समूचे विश्व में बसे है। कबीर दास जी ने यह भी कहा है आत्मा और राम एक ही हैं **'आतम राम नहीं कोई दूजा।'**

तुलसीदास जी ने बहुत ही मर्म की बात कही है- राम जगत मंगल करते है।

मंगल भवन अमंगल हारी
द्रवहु सुदशरथ अजिर बिहारी

दशरथ नंदन राम ही अमंगल को दूर करके मंगल करते हैं उनकी कृपा मुझ पर बनी रहे

भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहा गया है उन्होंने धर्म का पालन, सत्य और न्याय, त्याग और समर्पण, पारिवारिक मूल्य, नारी सम्मान, सामाजिक समरसता में अपने आचरण द्वारा मानव कल्याण के लिए आदर्श स्थापित किए हैं। उनके बारे में कहा गया है –

नीति प्रीति परमारथ स्वारथु। कोउ न राम सम जान जथारथु।।
बिधि हरि हरु ससि रबि दिसिपाला। माया जीव करम कुलि काला।।

भावार्थ-नीति, प्रेम, परमार्थ और स्वार्थ को श्री रामजी के समान यथार्थ (तत्त्व से) कोई नहीं जानता। ब्रह्मा, विष्णु, महादेव, चन्द्र, सूर्य, दिक्पाल, माया, जीव, सभी कर्म और काल,।।

हम मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों को मूर्त रूप देने में जिन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है वे है परम राम भक्त हनुमान।

राम के परम राम भक्त होने के कारण भारतीय संस्कृति में हनुमान जी को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। जब हनुमान जी पहली बार ऋष्यमूक पर्वत पर श्री राम और

लक्ष्मण से मिले, तो उन्होंने एक ब्राह्मण का रूप धरा। उनके बोलने के ढंग और शब्दों के चयन ने श्री राम को मंत्रमुग्ध कर दिया। वाल्मीकि रामायण में प्रभु श्री राम लक्ष्मण से हनुमान जी के लिए कहते हैं-

'न ऋग्वेदविनीतस्य नायजुर्वेदधारिणः।
नासामवेदविदुषः शक्यमेवं प्रभाषितुम्।।'

(अर्थः जिसने ऋग्वेद की शिक्षा न ली हो, यजुर्वेद का अभ्यास न किया हो और सामवेद का ज्ञान न हो, वह ऐसी शुद्ध और प्रभावपूर्ण भाषा नहीं बोल सकता।)

साधारणतः हम हनुमान जी को बजरंगबली के रूप में जानते हैं एवं पूजते हैं। उनके गुणों की चर्चा हनुमान चालीसा में विशेष रूप से की गई है जिसके अनुसार वे ज्ञान एवं गुण सागर, राम के दूत, अतुलनीय बलशाली - महावीर, विक्रमी, कुमति के निवारक एवं सुमति के साथी, विद्या वान गुणी, अति चतुर है। उनका जो विशिष्ट स्थान है, उसका वर्णन इस प्रकार किया गया है - राम कार्य करने को आतुर, प्रभु के चरित्र सुनने को रसिया, राम लखन सीता को अपने मन मे बसाने वाले, राम जी के द्वार की रखवाली करने वाले - जिनकी आज्ञा के बिना कोई अंदर नहीं जा सकता, सदैव रघुपति के दास बने रहते हैं। इन गुणों से प्रसन्न होकर माता सीता ने उन्हें अष्ट सिद्धि एवं नवनिधि का वरदान प्रदान किया। इन सबमें एक विशिष्ट बात है यह है कि वै सदैव राम के 'दास' यानि भक्त बने रहते है एवं तुलसी दास जी के अनुसार यही राम रुपी रसायन हनुमान जी के पास है। हनुमान जी के भजन राम जी को भी अति प्रिय है राम जी ने उन्हें कहा कि तुम मुझे अति प्रिय हो एवं भरत के समान भाई हो।

सीताजी का समाचार लेकर सकुशल वापस पहुंचे श्री हनुमान की हर तरफ प्रशंसा हुई, लेकिन उन्होंने अपने पराक्रम का कोई किस्सा प्रभु राम को नहीं सुनाया। जब श्रीराम ने उनसे पूछा- 'हनुमान! त्रिभुवनविजयी रावण की लंका को तुमने कैसे जला दिया? तब प्रत्युत्तर में हनुमानजी ने जो कहा उससे भगवान राम भी हनुमानजी के आत्ममुग्धताविहीन व्यक्तित्व के कायल हो गए- **सो सब तव प्रताप रघुराई। नाथ न कछू मोरि प्रभुताई।।** (सुंदरकांड)।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम स्वयं कहते हैं- जब लोक पर कोई विपत्ति आती है तब वह त्राण पाने के लिए मेरी अभ्यर्थना करता है, लेकिन जब मुझ पर कोई संकट आता है तब मैं उसके निवारण के लिए पवनपुत्र का स्मरण करता हूं। जरा विचार कीजिए! श्रीराम का कितना अनुग्रह है हनुमान पर कि वे अपने लौकिक जीवन के संकटमोचन का श्रेय उनको प्रदान करते हैं और कैसे शक्तिपुंज हैं हनुमान, जो श्रीराम तक के कार्यो का तत्काल निवारण कर सकते हैं।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस हनुमानजी के नाम-जप-निष्ठा का बराबर उदाहरण देते थे। भक्तों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था- 'मन के गुण से हनुमानजी समुद्र लांघ गये। हनुमानजी का सहज विश्वास था, मैं श्रीराम का दास हूं और श्रीराम नाम जपता हूं। अतः मैं क्या नहीं कर सकता?'

स्वामी विवेकानंद ने हनुमान जी को शक्ति, भक्ति, निस्वार्थ सेवा, निडरता और ब्रह्मचर्य के सर्वोच्च आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया है। वे मानते थे कि युवाओं को हनुमान जी के चरित्र से अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प सीखना चाहिए। विवेकानंद के अनुसार, हनुमान जी का जीवन राम के प्रति पूर्ण समर्पण और सेवा का प्रतीक है, जो भारतीय राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

स्वामी विवेकानंद के हनुमान जी पर मुख्य विचार मनन करने योग्य हैः-

* **आदर्श सेवक और शक्तिः** विवेकानंद ने हनुमान जी को 'बल, बुद्धि, विद्या' का प्रतीक बताया और कहा कि वे सेवा आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो राम की भलाई के लिए सब कुछ न्यौछावर करने को तत्पर थे।
* **युवाओं के लिए प्रेरणाः** विवेकानंद जी ने भारतीय युवाओं को हनुमान जी को अपना आदर्श बनाने की सलाह दी, ताकि वे फिजिकली (शारीरिक) और इंटेलेक्चुअली (बौद्धिक) रूप से मजबूत बन सकें।
* **भक्ति और समर्पणः** उनके अनुसार, हनुमान जी की राम के प्रति भक्ति 'दास्य भाव' का सर्वोच्च उदाहरण है। वे चाहते थे कि हर भारतीय के हृदय में हनुमान जी जैसी निस्वार्थ सेवा की भावना हो।
* **निडरता और साहसः** विवेकानंद मानते थे कि हनुमान जी का व्यक्तित्व न केवल भक्ति, बल्कि अदम्य साहस का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो तामसी प्रवृत्तियों (अंधकार) का नाश करने में सक्षम है।
* विवेकानंद की दृष्टि में हनुमान जी केवल एक पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि जीवन की सभी चुनौतियों का सामना करने वाले एक जीवंत आदर्श हैं।

आज के युग में जहां नैतिकता एवं मौलिकता का निरंतर ह्रास हो रहा है, हमें हमारे जीवन में राम को स्थापित करने की आवश्यकता है। हम भौतिक सफलता कितना भी प्राप्त कर ले पर, हमारे जीवन की सफलता राम को अपनाने में ही है। हमारे ऋषि मुनिगण मनन करके मानव जीवन के सफलता के विषय में विवेचन कर साधारण लोगों के अपनाने के लिए निचोड़ निकाल है। संत कबीर दास जी ने कहा हैः

लूट सके तो लूट ले राम नाम की लूट,
पाछे फिर पछताओगे प्राण जाहि जब छूट।

लाखों योनियों में भटकने के पश्चात हमें मानव जीवन मिला है। इसका सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने में ही हमारी बुद्धिमत्ता है। कहा भी गया है- "जहां राम वहां काम नहीं जहां काम वहां नहीं राम"। आत्मज्ञान की साधना के लिए बल, बुद्धि और विद्या की जरूरत होती है। राम का नाम तो हमें प्रचुर मात्रा में बिना खर्च के उपलब्ध है। जरूरत है हमें हनुमान जी का अनुसरण करने की। जीवन में राम को धारण करते हुए हम अपना कर्म मय जीवन यापन कर सकते हैं। हमारी सोच एवं आचरण जब मर्यादा का पालन करते हुए धर्मानुसार होंगे तो सामाजिक विसंगतियां एवं विषमताएं स्वयं ही समाप्त हो जाएंगी।

शिव कुमार लोहिया

नव-चेतना का शंखनादः सरकार, समाज और संस्कारों का संगम

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

आज हम जिस युग में जी रहे हैं, उसे अक्सर **'सूचना का युग'** कहा जाता है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हम वास्तव में **'विवेक का युग'** जी रहे हैं? समाज विकास कोई बाहरी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक आंतरिक परिवर्तन है जो व्यक्ति से शुरू होकर परिवार, फिर समाज और अंततः राष्ट्र तक पहुँचता है। राष्ट्र केवल सीमाओं से नहीं बनता, बल्कि वह अपने नागरिकों के चरित्र से बनता है।

अक्सर हम विकास का सारा उत्तरदायित्व 'सरकार' के कंधों पर डालकर मुक्त हो जाते हैं। सरकार नीतियां बना सकती है, मार्ग बना सकती है, लेकिन उस मार्ग पर चलने का अनुशासन समाज को स्वयं पैदा करना होगा।

नीति निपुण जो नृप बने, प्रजा न जागी सोय।
बिन चक्के की रथ चले, उन्नति कैसे होय?

अर्थातः राजा (सरकार) कितनी भी चतुर नीतियां बना ले, यदि प्रजा जागरूक नहीं है, तो वह बिना पहियों के रथ के समान है जो कभी अपनी मंजिल तक नहीं पहुँच पाएगा।

जब लंका विजय के लिए राम सेतु का निर्माण हो रहा था, तब प्रभु श्री राम ने केवल हनुमान और अंगद जैसे बलशालियों पर भरोसा नहीं किया। वहां एक नन्ही गिलहरी भी अपना योगदान दे रही थी। सरकार एक सेतु का निर्माण कर सकती है, लेकिन उस सेतु को मजबूती देने के लिए हर 'गिलहरी' (सामान्य नागरिक) का योगदान अनिवार्य है।

वर्तमान में हमारा समाज जातियों, पंथों और स्वार्थों में बंटता जा रहा है। सच्चा 'समाज विकास' तब होगा जब हम 'स्व' से निकलकर 'सर्व' की ओर बढ़ेंगे। समाज एक वृक्ष की तरह है, यदि जड़ें (संस्कार) मजबूत होंगी, तो टहनियां (विभिन्न वर्ग) अपने आप सुरक्षित रहेंगी।

एक बार एक राजा ने अपने राज्य में एक प्रयोग किया। उसने आधी रात को गांव के बीचों-बीच एक बहुत बड़ा पत्थर रखवा दिया। सुबह कई लोग निकले, सबने पत्थर को कोसा और बगल से निकल गए। अंत में एक गरीब किसान आया, उसने अपनी पूरी ताकत लगाकर उस पत्थर को हटाया। पत्थर के नीचे उसे सोने के सिक्कों की एक थैली मिली और एक पत्र, जिस पर लिखा था–'यह पुरस्कार उस नागरिक के लिए है, जो दूसरों की बाधा हटाने का प्रयास करता है।'

समाज विकास का अर्थ यही है– केवल समस्याओं की चर्चा न करना, बल्कि समाधान का हिस्सा बनना।

संस्कार वे मूल्य हैं जो हमें 'इंसान' बनाए रखते हैं। आज की युवा पीढ़ी को आधुनिकता की दौड़ में अपने मूल को नहीं भूलना चाहिए। शिक्षा केवल डिग्री लेना नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण है।

कंचन काया क्या करे, मन में भरा विकार।
बिन संस्कारों के मनुज, जैसे बिना धार तलवार।

अभिमन्यु ने युद्ध की कला को गर्भ में सीखा था। यह इस बात का प्रतीक है कि संस्कार जन्म से भी पहले मां के विचारों से शुरू होते हैं। यदि हमारी आने वाली पीढ़ी के पास संस्कार नहीं होंगे, तो वे बड़ी-बड़ी इमारतों में तो रहेंगे, लेकिन उनके पास शांति और सुकून का अभाव होगा।

परिवार वह प्रयोगशाला है जहाँ नागरिक तैयार होते हैं। आज के 'न्यूक्लियर परिवार' (एकल परिवार) में बच्चे दादा-दादी की कहानियों और उनके अनुभवों से वंचित हो रहे हैं।

संवाद का महत्वः भोजन की मेज पर मोबाइल नहीं, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच संवाद होना चाहिए।

सम्मान की संस्कृतिः जहाँ बड़ों का सम्मान और छोटों पर स्नेह होता है, वहां दरिद्रता और क्लेश का वास नहीं होता।

एक वृद्ध पिता ने अपने सफल बेटे से पूछा, 'बेटा, तुम्हारी नजर में दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति कौन है?' बेटे ने गर्व से कहा, 'मैं।' पिता दुखी हुए और दरवाजे की ओर बढ़ गए। दरवाजे पर रुककर उन्होंने फिर पूछा, 'अब बताओ, सबसे शक्तिशाली कौन है?' बेटे ने कहा, 'आप, पिताजी।'

पिता हैरान हुए, पूछा 'अभी तो तुम खुद को कह रहे थे?' बेटे ने कहा, 'तब आपका हाथ मेरे कंधे पर था, इसलिए मैं सबसे शक्तिशाली था।'

यही परिवार की शक्ति है। जब तक परिवार साथ है, समाज और सरकार कभी कमजोर नहीं हो सकते।

'समाज विकास' पुस्तक केवल पन्नों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प पत्र है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जहाँः

सरकार पारदर्शी हो।
समाज समरस और जागरूक हो।
संस्कार हमारे व्यवहार में झलकें।
परिवार हमारी ऊर्जा का केंद्र हो।

आइए, इस आह्वान को जन-जन तक पहुँचाएं। हम बदलेंगे, तो युग बदलेगा। राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी आहुति दें और संस्कारों की इस ज्योति को कभी बुझने न दें।

जय राष्ट्र! जय सम्मेलन! जय समाज!

सम्मेलन द्वारा 'बिजनेस मीट' का आयोजन

"मारवाड़ी समाज को अपनी उद्यमशीलता, मेहनत, ईमानदारी, मितव्यता, दानशीलता की छवि को बरकरार रखकर समाज सेवा का कार्य करते रहना चाहिए" - पवन गोयनका

१२ अप्रैल २०२६, रविवार को "द होटल पार्क" संसद मार्ग, दिल्ली में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा बिज़नेस मीट का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी द्वारा की गई। बिज़नेस मीट को संबोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं आयोजक श्री राज कुमार मिश्रा व सह संयोजक श्री राजेश सोनी ने बताया की बैठक में मारवाड़ी समाज के ५८ व्यवसायियो की सहभागिता रही। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मारवाड़ी समाज के लोगो को आपस में मिलने व अपने बिज़नेस के बारे में एक दूसरे को जानकारी देना था। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा यह प्रथम प्रयास था, लोगो में इस मीट को लेकर काफी उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना एवं श्री हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। उसके बाद बैठक में उपस्थित सभी व्यवसायियो ने अपने स्वयं परिचय से सभी को अवगत कराया। सहभागियों ने अपना नाम, मूल स्थान, अपने व्यवसाय का नाम और व्यवसाय की प्रकृति आदि का ब्यौरा दिया तथा बताया कि मीटिंग के माध्यम से वो समाज के लोगो को क्या लाभ देना चाहते है और उनकी क्या अपेक्षाएं हैं। व्यवसायिक परिचय के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का परिचय एवं इतिहास संक्षिप्त में बताया तथा इस मीटिंग की उपयोगिता के बारे में बताया।

प्रमुख वक्ता प्रसिद्ध CA एवं अधिवक्ता श्री राज कुमार नाहटा जी ने इन्कमटैक्स की बारीकियों के बारे में बताया तथा सुझाया की किस तरीके से अपने धन का सदुपयोग एवं व्यवसायिक अनुशासन का अनुपालन करें। कैसे सही तरीके से सही जगह पर इन्वेस्ट किया जाये। उन्होंने मारवाड़ी समाज की पहचान एवं मारवाड़ी संस्कृति के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाज सेवक श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल जी (चेयरमैन मिल्कोज ग्रुप) ने अपने जीवन के अनुभव साझा किये और बताया कि किस तरीके से संघर्ष में उनका जीवन रहा और बाद में किस प्रकार अपनी मेहनत एवं लगन से आज एक अच्छे मुकाम को हासिल किया। उनकी सबसे ज़्यादा रूचि समाज सेवा में रहती है। जब भी हमारे समाज को ज़रूरत होती है, हम लोगो के साथ मिल कर कार्य करते है।

धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ग्रुप के चेयरमैन श्री राम गोपाल धनुका जी भी इस मीटिंग में उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि हमेशा व्यवसाय में ईमानदारी मेहनत एवं लगन रखनी चाहिए। व्यवसाय में जो पैसा कमाया जाता है उसे सही प्रकार से खर्च भी करना है और बचत भी करनी है। जहाँ तक हो सके पहले परिवार पर, फिर समाज में और राष्ट्रिय सेवा में उसमे से कुछ धन लगाना चाहिए।

श्री नवरतन मल अग्रवाल जी प्रसिद्ध ब्रंड "बीकानेरवाला" के मालिक ने बताया कि हमेशा काम पर ज़रूर ध्यान दे, व्यापार पर भी ध्यान दे लेकिन स्वास्थ्य लाभ भी ज़रूरी है। स्वास्थ्य लाभ से सम्बन्धित कुछ टिप्स आये हुए व्यवसायियों को दिया और उन्होंने बताया की हमारा स्वास्थ्य ठीक है, हमारा मन ठीक है तो व्यवसाय में भी हमारा मन ठीक से लगेगा और निश्चित रूप से हम व्यवसाय में और अधिक उन्नति करेंगे।

श्री शुभ करन बोथरा जी (चेयरमैन-बोथरा फाउंडेशन एवं

ट्रस्टी मारवाडी सम्मलेन फाउंडेशन) ने बताया कि हमेशा कमाये उसमे से कुछ बचत करे और खुशिया भी ले आनंद भी ले, लेकिन समाज में विसर्जन की प्रवर्ति भी रखे। समाज में, परिवार में जिन भी लोगो को ज़रूरत है उन ज़रूरतमंदो का हमेशा साथ दे।

कोलकाता से पधारे सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता जी ने एक सुन्दर काव्य पाठ के माध्यम से आये हुए सभी समाज बन्धुओं का हार्दिक स्वागत एवं हार्दिक अभिनन्दन किया। उन्होंने बताया कि निश्चित रूप से ये मीटिंग बहुत सफल मीटिंग रही है और ऐसी ही मीटिंग आगे आने वाले समय में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २५ राज्यों में और ४०० ब्रंचो में राष्ट्रिय स्तर पर परिणीत किया जाएगा। निश्चित रूप से दिल्ली में भी ये मीटिंग बड़े स्तर पर की जाएगी। मीटिंग का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

आये हुए सभी व्यवसायी बंधुओ ने समाज बंधुओं ने एवं गेस्ट स्पीकर सभी ने इस मीटिंग की भूरि भूरि प्रशंसा की। मीटिंग केवल व्यावसायिक और यह सामाजिक मुद्दों तक ही सीमित रही तथा मीटिंग में सम्मान आदि गतिविधियों से परहेज किया गया। सभी ने एक स्वर में इच्छा जाहिर की कि आने वाले समय में जल्द से जल्द और मीटिंग का आयोजन किया जाये और इसका दायरा बढ़ाया जाये। ज़्यादा से ज़्यादा लोगो को जोड़ा जाए और हो सके तो आस पास के राज्यों के समाज बंधुओ को भी एक मीटिंग में बुलाया जाये जिससे पास के राज्यों में जो हमारा व्यापार हो रहा है उसमे भी हमारी विश्वनियता और ज़्यादा बढ़े।

इस बैठक में श्रीमती आस्था अग्रवाल, श्री अमित अग्रवाल, श्री अशोक अग्रवाल, श्री बसंत पोद्दार, सीए अतुल गुप्ता, सीए उमेद जैन, श्री छगन लाल जम्मर, श्री धर्म पाल, श्री गिरीश अग्रवाल, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री हनी अग्रवाल, श्री कुंज बिहारी अग्रवाल, श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, श्री लोकेश खेतान, श्री मदन गोपाल (वी मार्ट), श्री मनोहर लाल स्वामी, श्री मयंक गिनोरिया, श्री नरेंद्र डागा, श्री ओम प्रकाश सोमानी, श्री पवन अग्रवाल, श्री राजेश जैन, श्री रमेश बजाज, श्री रमेश जाजू, श्री सज्जन शर्मा, श्री संजय अग्रवाल, श्री सतीश टिबड़ेवाल, श्री सत्य नारायण केजरीवाल, श्री श्याम सुंदर चमड़िया, श्री सुभाष गोयल, श्री सुंदर लाल शर्मा, श्री सुरेंद्र गोथवाल, श्री सुरेंद्र राठी, श्री सूर्य प्रकाश लाहोटी, श्री सुशील अग्रवाल, श्री नितेश अग्रवाल, श्री उत्तम चंद छाजेड़, श्रीमती एली भारद्वाज, श्री विमल महनोत, श्रीमती यशस्वी लोहिया, श्री नितीश खेतान, श्री केशव बंसल, श्री रजत जाजू, श्री महेश चांडक, श्री पवन शर्मा, श्री पीयूष जैन, श्री अनुराग मिश्रा, श्री पीयूष शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

सम्मेलन के नवगठित स्थायी समिति के सदस्य (सत्र २०२५–२७)

१)	श्री आदित्य कसेरा	कोलकाता
२)	श्री आदित्य विक्रम तुलस्यान	कोलकाता
३)	श्री अमित कुमार अग्रवाल (डाबरीवाल)	कोलकाता
४)	श्री अनिल कुमार डालमिया	कोलकाता
५)	श्री बाबू लाल बंका	कोलकाता
६)	श्री बालकृष्ण जालान	कोलकाता
७)	श्री बिनोद कुमार लिहला	कोलकाता
८)	श्री विश्वनाथ भुवालका	कोलकाता
९)	श्री दिनेश कुमार जैन	कोलकाता
१०)	श्री दिनेश सर्राफ	बाँकुड़ा, प. बं.
११)	श्री गोपी राम धुवालिया	कोलकाता
१२)	श्री इंद्रचंद माहरीवाल	हावड़ा
१३)	श्री कमलेश कुमार नाहटा	मध्य प्रदेश
१४)	श्री काशी प्रसाद ढेलिया	कोलकाता
१५)	श्री लक्ष्मण अग्रवाल	कोलकाता
१६)	श्री मधुसूदन सफ्फड़	कोलकाता
१७)	श्री महेश पटवारी	कोलकाता
१८)	श्री महेश कुमार काबरा	कोलकाता
१९)	श्री मुकेश जैन	कोलकाता
२०)	श्री नितिन अग्रवाल	कोलकाता
२१)	श्री पंकज कुमार भालोटिया	कोलकाता
२२)	श्री पीयूष क्याल	कोलकाता
२३)	श्री प्रदीप कुमार बंसल	कोलकाता
२४)	श्री प्रदीप कुमार जालान	कोलकाता
२५)	सुश्री प्रज्ञा झुनझुनवाला	कोलकाता
२६)	श्री प्रकाश चंद्र हरलालका	कोलकाता
२७)	श्री राधा किशन सफ्फड़	कोलकाता
२८)	श्री राज कुमार अग्रवाल	उत्तर २४ परगना, प.बं.
२९)	श्री राजेश अग्रवाल	कोलकाता
३०)	श्री राजेश बजाज	बिहार
३१)	श्री रमाकांत देवड़ा	कोलकाता
३२)	श्री रमेश कुमार बजाज	दिल्ली
३३)	श्री रवि लोहिया	कोलकाता
३४)	श्री सज्जन बेरीवाल	कोलकाता
३५)	श्री सज्जन शर्मा	दिल्ली
३६)	श्री संदीप सेक्सरिया	कोलकाता
३७)	श्री संजय शर्मा	कोलकाता
३८)	श्री संतोष खेतान	उत्तराखंड
३९)	श्री शशिकांत शाह	कोलकाता
४०)	श्री शिव कुमार बागला	कोलकाता
४१)	सुश्री श्वेता शाह	कोलकाता
४२)	श्री सुभाष चंद्र गोयनका	कोलकाता
४३)	सुश्री सुनीता लोहिया	कोलकाता
४४)	श्री सुरेश कुमार अग्रवाल	कोलकाता
४५)	श्री उत्तम कुमार गुप्ता	कोलकाता
४६)	श्री विजय कुमार जैन	कोलकाता
४७)	श्री विजय कुमार संकलेचा	मध्य प्रदेश
४८)	श्री विनय कुमार सराफ	कोलकाता

संगोष्ठी

सामाजिक जीवन में गिरते संस्कार और शुचिता पर चिंता, नैतिक मूल्यों की आवश्यकता पर बल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में 'सामाजिक जीवन में संस्कार और शुचिता-चर्चा एवं चिंतन' जैसे अत्यंत सामयिक एवं प्रासंगिक विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन रांची के मारवाड़ी भवन परिसर में किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों, पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर विषय प्रवर्तक के रूप में कोलकाता से पधारे डॉ. संजय हरलालका ने अपने उद्‌बोधन में "संस्कार और शुचिता" के महत्व को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भौतिकता के बढ़ते प्रभाव के कारण सामाजिक मूल्यों में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे में संस्कारों का संरक्षण और शुचिता का पालन अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि सेवा के क्षेत्र में त्याग की भावना होनी चाहिए न कि आधिपत्य की। सीमित स्वार्थ के साथ समाज कल्याण की भावना ही सर्वोपरि होनी चाहिए।

प्रमुख वक्ता के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज की मजबूती उसके नैतिक मूल्यों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि "संस्कार" केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है, जो व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है। उन्होंने समाज में शुचिता बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया और युवाओं को इस दिशा में अग्रसर होने का आह्वान किया।

पूर्व सांसद श्री महेश पोद्दार ने अपने संबोधन में सामाजिक जिम्मेदारियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज के दौर में व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों में इतना उलझ गया है कि सामूहिक हितों की अनदेखी हो रही है। उन्होंने कहा कि शुचिता केवल बाहरी व्यवहार तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे विचारों, आचरण और निर्णयों में भी परिलक्षित होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि समाज में नैतिकता और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जाए, तो अनेक सामाजिक समस्याओं का समाधान स्वत: हो सकता है।

संगोष्ठी में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज अपनी परंपराओं, संस्कारों और नैतिक मूल्यों के लिए सदैव जाना जाता रहा है और इन मूल्यों को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में झारखंड प्रांत के अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि समाज को सशक्त बनाने के लिए संस्कारों की नींव को मजबूत करना अनिवार्य है। उन्होंने सभी वक्ताओं के विचारों की सराहना करते हुए कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से जो संदेश समाज को मिला है, वह निश्चित रूप से सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक होगा।

कार्यक्रम की कुशल व्यवस्था के साथ ही प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन ने उपस्थित सभी अतिथियों, समाजजनों और महिलाओं के प्रति आभार जताया। सफल संचालन राजेश कौशिक ने किया।

इस अवसर पर पूर्व प्रांतिय अध्यक्षोंओम प्रकाश अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, विनोद जैन, पवन पोद्दार, प्रमोद अग्रवाल, कौशल राजगढ़िया, अनिल अग्रवाल, सुभाष पटवारी, संजय सर्राफ, निर्मल बुधिया, किशन साबू, रमन बोडा, चंडी प्रसाद डालमिया, रवि शंकर शर्मा, विनोद महलका, अशोक नारसरिया, रतन बंका, अरुण भरतिया, प्रकाश बजाज, प्रमोद बगड़िया, राजेश भरतिया, ललित पोद्दार, अरुण जोशी, राजकुमार मित्तल, अजय डीडवानिया, विकास अग्रवाल, कमल खेतावत, विजय कुमार खोवाल, भरत बगड़िया, किशन अग्रवाल, रौनक झुनझुनवाला, विनीता सिंघानिया, रीना सुरेखा, छाया अग्रवाल, सीमा पोद्दार, प्रीति फोगला, सहित बड़ी संख्या में सदस्य गण उपस्थित थे।

"संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी सदस्यता में निहित होती है" – श्री पवन कुमार गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (२०२५–२७) की द्वितीय बैठक दिनांक १९ अप्रैल २०२६ को कोलकाता स्थित केंद्रीय कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस में आयोजित की गई।

बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता के आग्रह पर सकारात्मक वातावरण में तीन बार 'ॐ' के उच्चारण के साथ किया गया। इसके उपरांत श्री केदारनाथ गुप्ता ने सभा में उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों से अपना परिचय प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के सभापतित्व में प्रारंभ हुई। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, पूर्व एवं निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्रियों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय प्रतिनिधियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अपने संबोधन में श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित शिक्षा, सेवा, संस्कृति एवं संगठन की मजबूत नींव ही हमारी प्रगति का आधार है। उन्होंने इस विरासत को और अधिक सशक्त एवं व्यापक बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी सदस्यता एवं सक्रिय सहभागिता में निहित होती है। उन्होंने सदस्यता विस्तार में हुई उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए झारखंड एवं पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाइयों की सराहना की।

दिल्ली में आयोजित 'बिजनेस मीट' की सफलता का उल्लेख करते हुए श्री पवन कुमार गोयनका ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा एवं उनकी टीम तथा दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. संजय हरलालका एवं उनकी टीम तथा स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री बृजमोहन गाड़ोदिया, संयोजक एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल मलावत एवं उनकी टीम को उनके सराहनीय कार्यों हेतु धन्यवाद दिया।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए श्री पवन कुमार गोयनका ने मैक्स हॉस्पिटल एवं लीलावती हॉस्पिटल के साथ हुए एमओयू की जानकारी दी तथा फोर्टिस हॉस्पिटल, चार्नक हॉस्पिटल एवं महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल समूह (दिल्ली) के साथ वार्ता अंतिम चरण में होने की बात कही।

राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन डॉ. सावर धनानिया एवं संयोजक श्री अरुण प्रकाश मल्लावत की टीम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने समाज में राजनीतिक सहभागिता बढ़ाने पर बल दिया।

कार्यसूची के अनुसार राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने रांची (१७ जनवरी २०२६) में आयोजित पिछली बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया। आवश्यक संशोधनों के पश्चात इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने गत बैठक के बाद की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

इसी क्रम में श्री केदारनाथ गुप्ता ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री बृजमोहन गाड़ोदिया ने स्वास्थ्य कारणों से दायित्व निभाने में असमर्थता व्यक्त की है, जिसके स्थान पर डॉ. विजय केजरीवाल को नया चेयरमैन मनोनीत किया गया। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने डॉ. विजय केजरीवाल का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका ने झारखंड प्रांत के सराहनीय कार्यों की जानकारी देते हुए सदस्यता अभियान में उनकी अग्रणी भूमिका की प्रशंसा की तथा प्रांत को सम्मानित करने का सुझाव दिया। उन्होंने सिक्किम प्रांत एवं सिक्किम मारवाड़ी समाज के कार्यों की भी जानकारी दी।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा की अनुपस्थिति में उनके प्रभारी प्रांतों की रिपोर्ट राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता द्वारा प्रस्तुत की गई।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी की अनुपस्थिति के संबंध में जानकारी देते हुए श्री केदारनाथ गुप्ता ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश

में प्रांतीय चुनावी प्रक्रिया से संबंधित बैठक में सम्मिलित हैं। साथ ही उन्होंने बिहार एवं गुजरात प्रांतों की प्रगति की जानकारी दी।

पूर्वोत्तर के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने अपने प्रांत की गतिविधियों, शाखा विस्तार एवं छात्रावास निर्माण की प्रगति की जानकारी दी। मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी ने शाखा विस्तार एवं सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की।

झारखंड प्रांत की ओर से प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री कृष्ण अग्रवाल ने मारवाड़ महोत्सव, सम्मान कोष एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी दी।

बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक सम्मेलन की लंबित चुनाव प्रक्रिया एवं संबंधित संवैधानिक एवं विधिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस संदर्भ में अधिवक्ता श्री प्रदीप जीवराजका, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. संजय हरलालका, अधिवक्ता श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री नारायण जैन एवं अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने अपने विचार रखते हुए संगठनात्मक मर्यादा एवं संविधान के अनुरूप कार्यवाही की आवश्यकता पर बल दिया। सभा में उपस्थित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विषय का समुचित समाधान किए जाने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करने एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वर्तमान प्रांतीय कार्यकारिणी को भंग करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सामाजिक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने संस्कार, सामाजिक मर्यादा एवं जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। साथ ही मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन द्वारा संचालित उच्च शिक्षा उपसमिति की बैठक में छात्रवृति हेतु परिवार की सलाना आय लाख से बढ़ाकर ८ लाख कर दिया गया हैं। उन्होंने सीताराम रुंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन के निर्माण कार्य के बारे में बताते हुए कहा कि भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा हैं। आशा है कि अगले वर्ष तक इसे पुरा कर लिया जाएगा।

राष्ट्रीय संगठनमंत्री श्री बसंत कुमार सुराणा ने लाडनूं में २-३ मई को आचार्य श्री महाश्रमण जी के जैन समाज के प्रस्ताव पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन के साथ समाज सुधार

पर 'मंचन' नामक कार्यशाला का आयोजन कर रही है। उन्होंने सभी सदस्यों को इस कार्यशाला में शामिल होने का सभी से निवेदन किया।

अंत में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल मलावत ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बैठक की समाप्ति वंदे मातरम् एवं राष्ट्र गान से साथ संपन्न हुई।

इस बैठक में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्रीद्वय श्री पवन कुमार जालान एवं श्री पवन बंसल, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, श्री आत्माराम सोंथलिया, निवर्तमान संयुक्त मंत्री श्री संजय गोयनका, श्री राजेश कुमार सोंथालिया, श्री संदीप गर्ग, श्री नितिन अग्रवाल, श्री सुशील कुमार चौधरी, श्री विष्णु कुमार तुलस्यान (सी.ए.), श्री बाबूलाल बंका, श्री संतोष अग्रवाल, श्रीमती सुषमा अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य संगोष्ठी

समाज को सुलभ एवं किफायती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : श्री पवन कुमार गोयनका

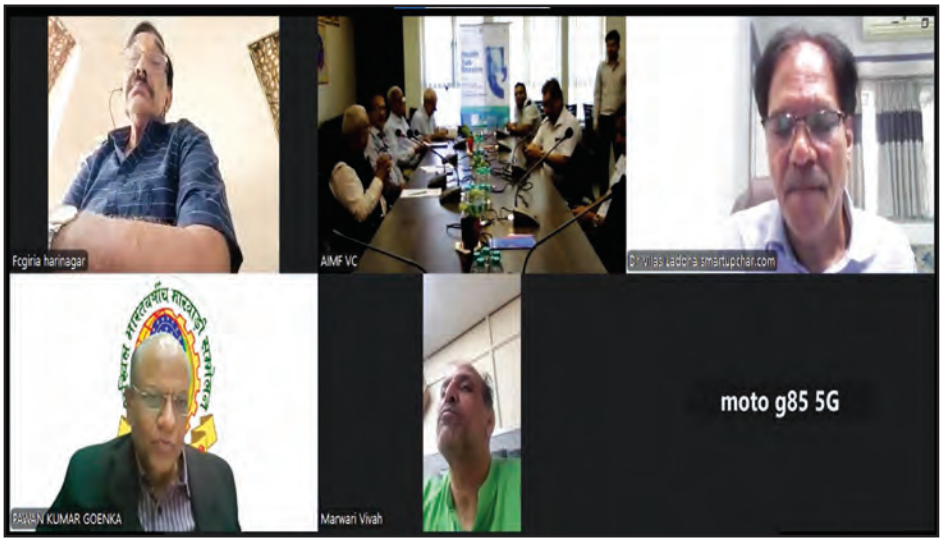

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में दिनांक २८ मार्च २०२६ को स्वास्थ्य उपसमिति के तत्वावधान में "यूरोलॉजी एवं आर्थोपेडिक्स पर चर्चा" विषय पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता द्वारा तीन बार "ॐ" के उच्चारण के साथ किया गया, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने की। अपने स्वागत उद्‌बोधन में उन्होंने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

उन्होने कहा कि स्वास्थ्य उपसमिति का गठन आज अपने उद्देश्य की दिशा में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सस्ती एवं सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सम्मेलन की प्राथमिकता है। इसी दिशा में सम्मेलन द्वारा मणिपाल अस्पताल, कोलकाता स्थित एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल, लीलावती अस्पताल एवं मैक्स अस्पताल के साथ एमओयू किया जा चुका है तथा फोर्टिस अस्पताल के साथ भी शीघ्र ही समझौता होने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने आगे बताया कि सम्मेलन अपने सदस्यों को एक विशेष आईडी कार्ड प्रदान करने की योजना पर कार्य कर रहा है, जिससे सदस्यों एवं उनके परिवारों को इन अस्पतालों में रियायती दरों पर उपचार उपलब्ध हो सके। साथ ही, पूर्व अध्यक्ष श्री नंद लाल रुंगटा के सुझाव के अनुसार गैर-सदस्यों की सहायता के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी।

स्वास्थ्य उपसमिति के संयोजक श्री अनिल मलावत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए हृदय रोगों से संबंधित बढ़ती समस्याओं पर प्रकाश डाला और समय पर जागरूकता एवं सावधानी बरतने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर मणिपाल अस्पताल से आए श्री दीप दास द्वारा सीपीआर (CPR) प्रशिक्षण का विशेष सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने जूम एवं सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों को अचानक हृदयघात की स्थिति में प्राथमिक उपचार कैसे दिया जाए, इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस सत्र को सभी ने अत्यंत ध्यानपूर्वक देखा एवं महत्वपूर्ण जीवनरक्षक तकनीकों को सीखा।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ताओं के रूप में आर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ डॉ. विशाल भगत एवं यूरोलॉजी एवं यूरो-अंकोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. बास्तब घोष उपस्थित रहे। सम्मेलन की ओर से दोनों ही चिकित्सकों का स्वागत एवं सम्मान पुष्पगुच्छ एवं दुपट्टा ओढ़ाकर किया गया।

आर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ डॉ. विशाल भगत ने अपने संबोधन में वर्तमान समय में बढ़ती जोड़ो के दर्द की समस्या पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि जहां पहले यह समस्या मुख्यत: बुजुर्गों में देखने को मिलती थी, वहीं अब ५० वर्ष से कम आयु के लोगों में भी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने घुटनों के ऑपरेशन, उसके आधुनिक विकल्पों एवं जोड़ो के दर्द को कम करने के लिए सरल व्यायामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने तकनीकी प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य में संभवत: ऐसी उन्नत तकनीक विकसित हो जाए जिससे ऑपरेशन की आवश्यकता ही न पड़े। उपस्थित सदस्यों ने अपने प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सरल एवं संतोषजनक उत्तर दिया।

यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. बास्तब घोष ने प्रोस्टेट कैंसर एवं अन्य यूरोलॉजिकल समस्याओं पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने विशेष रूप से पुरुषों को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी, जिससे गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके। उन्होंने प्रोस्टेट जांच के लिए पीएसए (PSA) टेस्ट एवं यूएसजी (USG) कराने की सलाह दी। उनके सत्र के अंत में भी प्रश्नोत्तर का आयोजन हुआ, जिसमें उन्होंने सभी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन कुमार जालान ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, उपसमिति सदस्यगण डॉ. विलास लढ्ढा एवं सुश्री स्वेता शर्मा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष मध्य प्रदेश श्री कमलेश नाहटा, श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री पियूष क्याल, श्री रौनक अग्रवाल, श्री सुनय नागौरी, श्री विजय

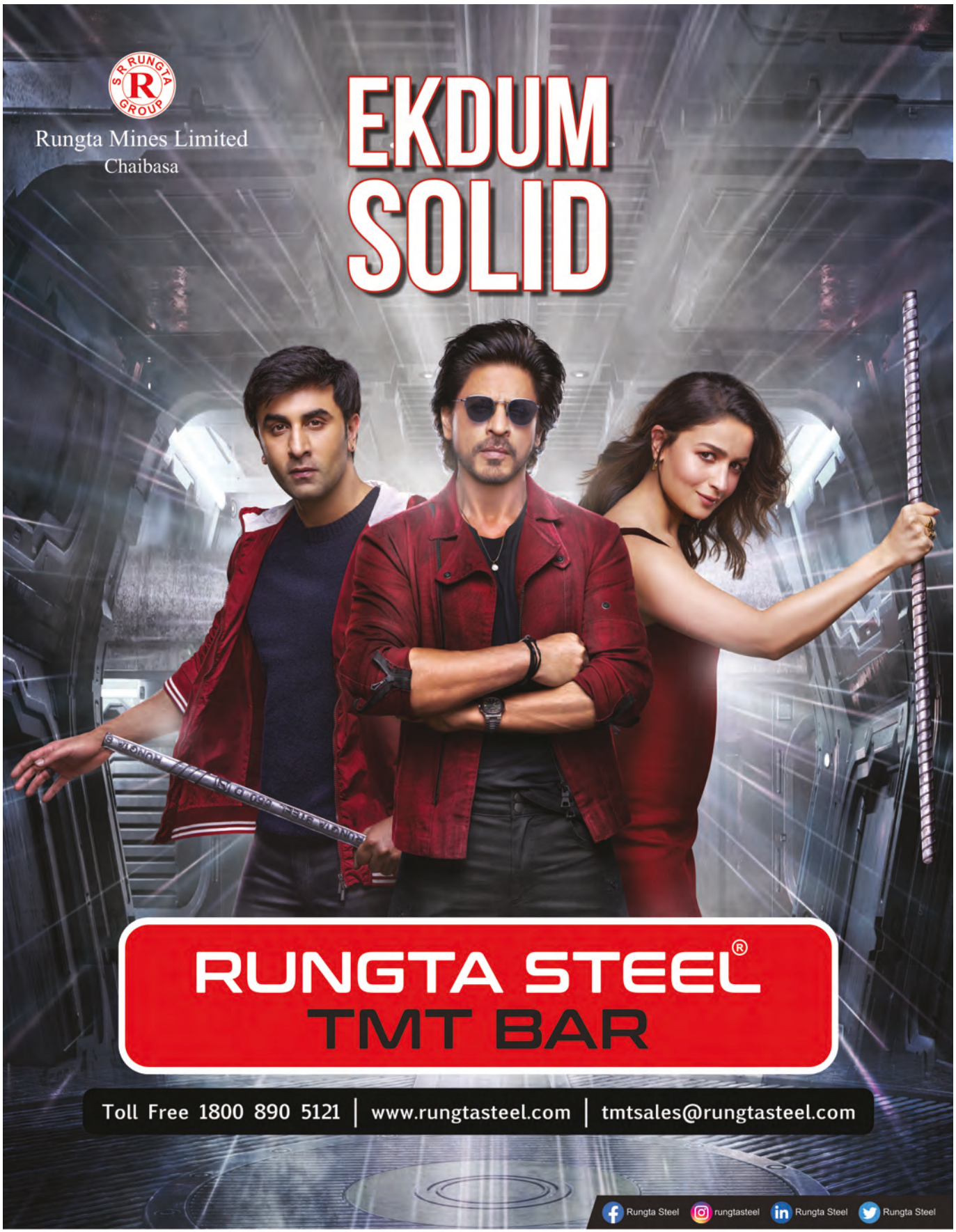

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

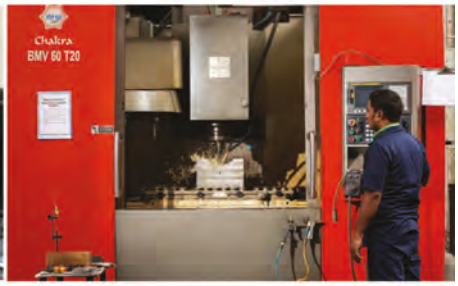

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata – 700020

कुमार सिंघल, श्री राजेश जालान, इं जी.एल. केशव, श्री बालकृष्ण जालान, श्री सीताराम अग्रवाल, श्री सीताराम शर्मा, श्री अजय नांगलिया, श्री आर.ए. धूत, श्री एम अग्रवाल, श्री विजय वशिष्ठ, श्री सरिता लोहिया, श्री रेणु लोहिया, श्री बुद्धदेव परमाणिक, श्री मयंक दत्त, श्री सौम्यजित राय, सुश्री समद्रिता रॉय, रितम गुप्ता, श्री बृजमोहन धूत, श्री सुरेश कुमार बेंगानी, श्री संदीप कुमार अग्रवाल, श्री विकाश जालान, श्री सुरेश कुमार शर्मा, श्री आशीष केडिया, श्री प्रकाश, श्री हितेश कुमार, श्री महावीर विलासरिया एवं श्री बसंत कुमार पोद्दार एवं अन्य सदस्यगण जूम पर उपस्थित थे।

महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल से करार हेतु महत्वपूर्ण बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा समाज के स्वास्थ्य सशक्तिकरण के क्रम में दिल्ली के पंजाबी बाग स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल समूह में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने हॉस्पिटल समूह की अध्यक्षा श्रीमती मीना सुभाष गुप्ता एवं उपाध्यक्ष श्री हर्षस्वरुप गोयल से सौहार्दपूर्ण भेंट की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने सम्मेलन द्वारा समाज के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे विविध प्रयासों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित स्वास्थ्य संस्थानों के साथ किए गए एमओयू (MoU) का उल्लेख करते हुए बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना है।

इस पहल की सराहना करते हुए महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल समूह की अध्यक्षा श्रीमती मीना सुभाष गुप्ता ने सम्मेलन के साथ एमओयू करने के प्रति अपनी सहमति व्यक्त की। उन्होंने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इस दिशा में औपचारिक प्रक्रिया पूर्ण कर, वे भी सम्मेलन के साथ जुड़कर समाज के स्वास्थ्य हित में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

आभार

स्वास्थ्य परियोजना का प्रेरक उदाहरण

द्वारका, दिल्ली स्थित मणिपाल हॉस्पिटल में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री सुन्दर लाल शर्मा के रिश्तेदार का उपचार चल रहा था, किन्तु उनकी स्वास्थ्य स्थिति की सटीक जानकारी प्राप्त नहीं हो पा रही थी। ऐसी परिस्थिति में जब राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क स्थापित किया गया, तब राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल मलावत एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ पहल की।

आप सभी के समन्वित प्रयासों से न केवल मरीज की वास्तविक स्थिति की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हुई, बल्कि हॉस्पिटल के बिल में भी उचित रियायत (डिस्काउंट) सुनिश्चित करवाई जा सकी। यह घटना संगठन की एकजुटता, सेवा भावना एवं प्रभावी कार्यप्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन परिवार की ओर से सभी आदरणीय पदाधिकारियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया जाता है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

विनम्र श्रद्धांजलि

२७.१२.१९२० - १७.०४.१९९४

श्रद्धेय स्व० सीतारामजी रुंगटा

प्रसाद सेवा का आयोजन

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन वेसू शाखा मासिक सेवा के अंतर्गत रविवार दिनांक: २९ मार्च २०२६ को सिद्धि विनायक मंदिर वेसू के सामने काशी विश्वनाथ मंदिर भंडारा सेवा समिति के विशेष सहयोग से जरूरतमंदो को भोजन प्रसाद सेवा का आयोजन किया गया।

राजेश डालमिया ने बताया लगभग ५०० जरूरतमंद लोगो को पाव भाजी एवं जलेबी का प्रसाद खिलाया गया इस सेवा में वेसु शाखा अध्यक्ष श्री प्रकाश बिंदल, शाखा उपाध्यक्ष श्री अमित केड़िया, शाखा कोषाध्यक्ष श्री विवेक लुहारिका, श्री पंकज जालान, श्री बालमुकुंद तुलस्यान, श्री अमित मस्कारा, श्री निर्मल अग्रवाल, श्री राजेश किल्ला, श्री सुशांत बजाज एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

होम्योपैथिक केंद्र पर डॉ. माधुरी का भव्य स्वागत

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा द्वारा केंद्र जी-२२, मैग्नस मॉल में संचालित होम्योपैथिक चिकित्सा केंद्र पर बुधवार, १ अप्रैल २०२६ को डॉ. माधुरी का भव्य स्वागत किया गया।

उनकी सेवाएं औपचारिक रूप से शुरू हो गई हैं। सेंटर पर पहले ही दिन लाभार्थियों की अच्छी उपस्थिति देखने को मिली, जिससे इस पहल के प्रति लोगों का विश्वास और उत्साह स्पष्ट नजर आया। इस अवसर पर शाखाध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, शाखा उपाध्यक्ष श्री राजा अग्रवाल, संचालक श्री विकास अग्रवाल, श्री सुनील अग्रवाल, श्री गोपाल डूंलिया, श्रीमती मीना देवी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

तापी उड़ान शाखा का गठन

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत दिनांक: ७ अप्रैल २०२६, मंगलवार तापी उड़ान शाखा सूरत का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन शांतम हाल पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल द्वारा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज, संरक्षक श्री विनोद जी अग्रवाल, श्री निरंजन जी अग्रवाल की उपस्थिति गरिमा पूर्ण रही।

इस अवसर पर नवनियुक्त कार्यकारिणी समिति ने समाज सेवा महिला सशक्तिकरण एवं संगठन को मजबूत बनाने हेतु शपथ ली। प्रांतीय अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल द्वारा शपथ दिलवाया गया। अपने अध्यक्ष संबोधन में तापी उड़ान शाखा की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कजरिया ने तापी उड़ान को समाज की प्रगति एकता एवं महिला सशक्तिकरण का सशक्त मंच बताया तथा सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

नवनियुक्त कमेटी में श्रीमती मनीषा कजरिया शाखाध्यक्ष, श्रीमती दिशा लोहिया शाखा सचिव, श्रीमती रश्मि लाठ शाखा कोषाध्यक्ष, श्रीमती नीता भट्टर शाखा उपाध्यक्ष, श्रीमती अनीता भालोटिया शाखा उपाध्यक्ष, श्रीमती प्रिया डागा संयुक्त शाखा सचिव, श्रीमती हेमा धनधानिया संयुक्त शाखा सचिव, श्रीमती वंदना जैन संयुक्त शाखा कोषाध्यक्ष, श्रीमती अलका गुप्ता संयुक्त शाखा कोषाध्यक्ष, श्रीमती रश्मि खंडेलवाल मीडिया प्रभारी। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में सुश्री सुमित्रा डालमिया, सुश्री प्रियंका मस्कारा, सुश्री श्वेता केजरीवाल, सुश्री नीता बोथरा, सुश्री रामा ड्रोलिया, सुश्री चांदनी अग्रवाल, सुश्री पूजा केजरीवाल, सुश्री अभिलाषा अग्रवाल, सुश्री रुचि अग्रवाल रोहतगी सम्मिलित थी। कमेटी के संरक्षक के रूप में श्री शंकर लाल गोयल, श्री विनोद चिड़ावावाला और श्री सुनील बेरलिया का नाम घोषित किया गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रांत प्रभारी श्री गोकुल बजाज एवं संरक्षक गण द्वारा नवनियुक्त कमेटी को दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम में सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री गणपत भंसाली, श्री सुनील बेरलिया, वेसू शाखा के अध्यक्ष श्री प्रकाश बिंदल, सचिव श्री राहुल बजाज, वेसू शाखा के संरक्षक श्री विमल जैन, प्रदेश महामंत्री श्री सुशांत बजाज, सदस्य श्री दीपक डालमिया, श्री अमित मस्कारा, श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, श्री सतीश कजारिया आदि की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्तियों माता बहनों एवं युवाओं की उत्साह पूर्ण उपस्थिति रही।

प्रणाम

महाभारत का युद्ध चल रहा था -
एक दिन दुर्योधन के व्यंग्य से आहत होकर "भीष्म पितामह" घोषणाकर देते हैं कि -
"मैं कल पांडवों का बध कर दूँगा"
उनकी घोषणा का पता चलते ही पांडवों के शिविर में बेचैनी बढ़ गई -
भीष्म की क्षमताओं के बारे में सभी को पता था इसलिए सभी किसी अनिष्ट की आशंका से परेशान हो गए।
तब -
श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा अभी मेरे साथ चलो -
श्री कृष्ण द्रौपदी को लेकर सीधे भीष्म पितामह के शिविर में पहुँच गए -
शिविर के बाहर खड़े होकर उन्होंने द्रोपदी से कहा कि - अन्दर जाकर पितामह को प्रणाम करो -
द्रौपदी ने अन्दर जाकर पितामह भीष्म को प्रणाम किया तो उन्होंने -
"अखंड सौभाग्यवती भव" का आशीर्वाद दे दिया, फिर उन्होंने द्रोपदी से पूछा कि !!
"बत्स तुम इतनी रात में अकेली यहाँ कैसे आई हो, क्या तुमको श्री कृष्ण यहाँ लेकर आये है"?
तब द्रोपदी ने कहा कि -
"हां और वे कक्ष के बाहर खड़े हैं" तब भीष्म भी कक्ष के बाहर आ गए और दोनों ने एक दुसरे से प्रणाम किया -
भीष्म ने कहा -
"मेरे एक बचन को मेरे ही दूसरे बचन से काट देने का काम श्री कृष्ण ही कर सकते है"
शिविर से वापस लौटते समय श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि -
"तुम्हारे एक बार जाकर पितामह को प्रणाम करने से तुम्हारे पतियों को जीवनदान मिल गया है" -
"अगर तुम प्रतिदिन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य, आदि को प्रणाम करती होती और दुर्योधन- दुःशासन, आदि की पत्नियां भी पांडवों को प्रणाम करती होंती, तो शायद इस युद्ध की नौबत ही न आती" -
.....तात्पर्य.....
मित्रों,
वर्तमान में हमारे घरों में जो इतनी समस्याए हैं उनका भी मूल कारण यही है कि -
"जाने अनजाने अक्सर घर के बड़ों की उपेक्षा हो जाती है"
"यदि घर के सदस्य प्रतिदिन घर के सभी बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लें तो, शायद किसी भी घर में कभी कोई क्लेश न हो"
बड़ों के दिए आशीर्वाद कवच की तरह काम करते हैं उनको कोई "अस्त्र-शस्त्र" नहीं भेद सकता।

अक्षय तृतीया (आखा तीज) बैशाख

उसका महत्व क्यों है और जानिए आज ही के दिन कि कुछ महत्वपुर्ण जानकारियाँ:

ब्रह्माजी के पुत्र 'अक्षय कुमार' का अवतरण।

'माँ अन्नपूर्णा' का जन्म।

'चिरंजीवी महर्षी परशुराम' का जन्म हुआ था इसीलिए आज 'परशुराम जन्मोत्सव' भी हैं।

'कुबेर' को खजाना मिला था।

'माँ गंगा' का धरती अवतरण हुआ था।

सूर्य भगवान ने पांडवों को 'अक्षय पात्र' दिया।

महाभारत का 'युद्ध समाप्त' हुआ था।

वेदव्यास जी ने 'महाकाव्य महाभारत की रचना' गणेश जी के साथ शुरू किया था।

प्रथम तीर्थंकर 'आदिनाथ ऋषभदेवजी भगवान' के १३ महीने का कठीन उपवास का 'पारणा इक्षु (गन्ने) के रस से किया' था।

प्रसिद्ध तीर्थ स्थल 'श्री बद्री नारायण धाम' का कपाट खोले जाते है।

बृंदावन के बाँके बिहारी मंदिर में 'श्री कृष्ण चरण के दर्शन' होते है।

जगन्नाथ भगवान के सभी 'रथों को बनाना प्रारम्भ' किया जाता है।

आदि शंकराचार्य ने 'कनकधारा स्तोत्र' की रचना की थी।

'अक्षय' का मतलब है जिसका कभी क्षय (नाश) न हो!!!

'अक्षय तृतीया अपने आप में स्वयं सिद्ध मुहूर्त है कोई भी शुभ कार्य का प्रारम्भ किया जा सकता है....!!!'

भाग्य और कर्म

एक बार एक भक्त धनी व्यक्ति मंदिर जाता है। पैरों में महँगे और नये जूते होने पर सोचता है कि क्या करूँ? यदि बाहर उतार कर जाता हूँ तो कोई उठा न ले जाये और अंदर पूजा में मन भी नहीं लगेगा; सारा ध्यान जूतों पर ही रहेगा।

उसे मंदिर के बाहर एक भिखारी बैठा दिखाई देता है। वह धनी व्यक्ति भिखारी से कहता है 'भाई मेरे जूतों का ध्यान रखोगे? जब तक मैं पूजा करके वापस न आ जाऊँ' भिखारी हाँ कर देता है।

अंदर पूजा करते समय धनी व्यक्ति सोचता है कि 'हे प्रभु आपने यह कैसा असंतुलित संसार बनाया है? किसी को इतना धन दिया है कि वह पैरों तक में महँगे जूते पहनता है तो किसी को अपना पेट भरने के लिये भीख तक माँगनी पड़ती है! कितना अच्छा हो कि सभी एक समान हो जाये !!

वह धनिक निश्चय करता है कि वह बाहर आकर उस भिखारी को १०० का एक नोट देगा।

बाहर आकर वह धनी व्यक्ति देखता है कि वहाँ न तो वह भिखारी है और न ही उसके जूते।

धनी व्यक्ति ठगा सा रह जाता है। वह कुछ देर भिखारी का इंतजार करता है कि शायद भिखारी किसी काम से कहीं चला गया हो, पर वह नहीं आया। धनी व्यक्ति दुखी मन से नंगे पैर घर के लिये चल देता है।

रास्ते में थोड़ी दूर फुटपाथ पर देखता है कि एक आदमी जूते चप्पल बेच रहा है।

धनी व्यक्ति चप्पल खरीदने के उद्देश्य से वहाँ पहुँचता है, पर क्या देखता है कि उसके जूते भी वहाँ बेचने के लिए रखे हैं।

तो वह अचरज में पड़ जाता है फिर वह उस फुटपाथ वाले पर दबाव डालकर उससे जूतों के बारे में पूछता है तो वह आदमी बताता है कि एक भिखारी उन जूतों को १०० रु. में बेच गया है।

धनी व्यक्ति वहीं खड़े होकर कुछ सोचता है और मुस्कराते हुये नंगे पैर ही घर के लिये चल देता है। उस दिन धनी व्यक्ति को उसके सवालों के जवाब मिल गये थे-

'समाज में कभी एकरूपता नहीं आ सकती, क्योंकि हमारे कर्म कभी भी एक समान नहीं हो सकते। और जिस दिन ऐसा हो गया उस दिन समाज-संसार की सारी विषमतायें समाप्त हो जायेंगी।'

ईश्वर ने हर एक मनुष्य के भाग्य में लिख दिया है कि किसको कब और कितना मिलेगा, पर यह नहीं लिखा कि वह कैसे मिलेगा। यह हमारे कर्म तय करते हैं। जैसे कि भिखारी के लिये उस दिन तय था कि उसे १०० रु. मिलेंगे, पर कैसे मिलेंगे यह उस भिखारी ने तय किया।

हमारे कर्म ही हमारा भाग्य, यश, अपयश, लाभ, हानि, जय, पराजय, दुःख, शोक, लोक, परलोक तय करते हैं। हम इसके लिये ईश्वर को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं।

दान दिए धन न घटे

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ सतगुरु कबीर जी ने बड़े ही सरल व स्पष्ट शब्दों में कहा है:

चिड़ी चोंच भर ले गई, नदी न घटियो नीर।

दान दिए धन न घटे, कह गए दास कबीर।

अभिप्राय: यह है कि जब भगवान ने आपको दिया है तो आप भी दान करें। दानी कभी घाटे में नहीं रहता। दान तो कई गुणा बढ़ता है। रविंद्र नाथ टैगोर ने स्वरचित पुस्तक पुष्पांजलि में एक सत्य कथा का बड़ा सुंदर वर्णन किया है कि एक बार एक सज्जन नगर के बाजार से ज्वार खरीद कर ला रहे थे। मार्ग के मध्य में उनकी भेंट एक भिखारी से हुई। भिखारी ने हाथ फैला कर कहा, "बाबू जी! कुछ देते जाओ।" उस भद्र पुरुष ने उस ज्वार में से एक दाना उठाया और भिखारी के हाथ पर रख दिया। भिखारी ने शुभ कामना व्यक्त करते हुए कहा अच्छा बाबू जी, भगवान आपको खूब दें। अनगिनत होकर मिले।

घर पहुँचते ही उन सज्जन ने ज्वार धर्म पत्नी के हाथों सौंप दी। जब वह उसे पकाने के लिए साफ करने लगी तो ज्वार के दानों में एक सोने का दाना देखकर आश्चर्य चकित रह गई। पत्नी ने तुरंत अपने पति से कहा, "आप जिस दुकानदार से ज्वार खरीद कर लाए हैं वह तो घाटे में रहा।

उसके साथ धोखा हुआ है उसका एक सोने का दाना गलती से इस ज्वार में आ गया है। कृपया उसे लौटा आइए। पति को मध्य मार्ग में मिले भिखारी की तुरंत याद आ गई। पति ने माथे पर हाथ मार कर कहा धोखा एवं घाटा उस दुकानदार को नहीं हुआ धोखा तो मेरे साथ हुआ है।

पत्नी ने पूछा, "वह कैसे? पति ने गंभीर स्वर में कहा, मैंने आते समय एक भिखारी के मांगने पर एक ज्वार का दाना दान में दिया था। उसे ही भगवान ने सोने में परिवर्तित कर दिया है। यदि मुठ्ठी भर दे देता तो आज हमारी दरिद्रता दूर हो जाती।

अत: जब दान देने का सुअवसर मिले तो दिल खोलकर उदारता पूर्वक दें। दान देकर सुख की जो अनुभूति होती है उसका वर्णन शब्दों द्वारा नहीं किया जा सकता। उस दिव्य आनंद की अनुभूति उसे ही होती है जो प्रेम एवं उदारता पूर्वक दान करता है।

धैर्य

जंगल के किनारे एक छोटा-सा गाँव था! जंगल में जंगली जानवरों की बहुतायत थी!

इसलिए गाँव के लोगों को पेड़ पर चढ़ने का ज्ञान होना अति-आवश्यक था, ताकि जंगली जानवरों से सामना होने पर वे पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचा सकें।

जो लोग जंगल में लकड़ियाँ काटने जाते थे, उनके जंगली जानवरों से दो-चार होने की अधिक संभावना थी! इसलिए वे लोग पेड़ पर चढ़ना अवश्य सीखते थे।

उस गाँव में एक बुज़ुर्ग सज्जन रहा करते थे! सब लोग उन्हें 'बाबा' बुलाते थे! वे पेड़ पर चढ़ने की विधा में माहिर थे और लोगों को पेड़ पर चढ़ने का प्रशिक्षण दिया करते थे। गाँव के अधिकांश लोग उनसे ही प्रशिक्षण प्राप्त करने जाया करते थे।

एक दिन बाबा ने उन युवकों के समूह को बुलाया, जिन्हें वे पेड़ पर चढ़ने का प्रशिक्षण दे रहे थे। वह उस समूह के प्रशिक्षण का अंतिम दिन था।

बाबा उन्हें एक पेड़ के पास लेकर गए, वह एक ऊँचा और चिकना पेड़ था, जिस पर चढ़ना बेहद कठिन था!

बाबा युवकों से बोले- 'आज तुम्हारे प्रशिक्षण का अंतिम दिन है, मैं देखना चाहता हूँ कि क्या तुम लोग पेड़ पर चढ़ने में माहिर हो गए हो? इसलिए मैं तुम्हें इस चिकने और ऊँचे पेड़ पर चढ़ने की चुनौती दे रहा हूँ! यदि तुम सब इस पेड़ पर चढ़ने में सफ़ल रहते हो, तो दुनिया के किसी भी पेड़ पर आसामी से चढ़ सकते हो।'

बाबा की बात सुनकर सभी युवक उत्साहित हो गये। वे पेड़ पर चढ़ने के लिए एक पंक्ति में खड़े हो गए। सबसे पहला युवक पेड़ पर चढ़ने लगा। वह बड़ी ही आसानी से पेड़ पर चढ़ा और फिर नीचे उतरने लगा। उतरते समय जब वह आधे रास्ते में था, तब बाबा बोले- 'सावधान! आराम से संभलकर उतरो। कोई जल्दी नहीं है।'

उस युवक ने वैसा ही किया, वह आराम से सावधानी से नीचे उतरा, उसके बाद एक-एक कर सारे युवक पेड़ पर चढ़ने लगे।

जब वे पेड़ पर चढ़ते, तब तो बाबा उन्हें कुछ नहीं कहते! लेकिन जब वे पेड़ से उतरते समय आधे रास्ते पर होते या बस नीचे पहुँचने वाले होते, तो बाबा कहते- 'सुनो, आराम से, थोड़ा संभलकर और पूरी सावधानी से उतरो। किसी प्रकार की कोई जल्दी नहीं है।'

सभी युवकों ने बाबा की बात मानी और पेड़ पर चढ़कर नीचे उतरने में सफ़ल हुए।

सब बड़े खुश थे। लेकिन एक बात उन्हें खटक रही थी और वह यह थी कि बाबा ने उन्हें पेड़ से उतरते समय ही सावधान रहने को क्यों कहा, पेड़ पर चढ़ते समय क्यों नहीं?

उन्होंने बाबा से पूछ ही लिया, 'बाबा इस पेड़ की सबसे ऊपरी शाखा पर चढ़ना सबसे कठिन था, लेकिन आपने उस पर चढ़ते समय हमें संभलकर रहने नहीं कहा। लेकिन पेड़ से उतरते समय जब जमीन तक की दूरी बहुत कम रह गई थी, तब आपने हमें संभलकर और सावधान रहने को कहा, ऐसा क्यों?'

बाबा बोले- 'देखो, पेड़ की सबसे ऊपरी शाखा पर चढ़ना बहुत कठिन है! ये मैं भी जानता हूँ और तुम भी। इसलिए मेरे बिना बोले ही तुम पहले से ही सतर्क थे, ऐसा हर किसी के साथ होता है!'

'कार्य के प्रारंभ में सब सतर्कता से ही आगे बढ़ते हैं! किंतु सतर्कता और सावधानी में चूक तब होती है, जब हम मंजिल के समीप होते हैं! तब हमें लगने लगता है कि हमारा काम तो पूरा होने को है, मंजिल अब दूर नहीं और वहाँ हमारा ध्यान भटक जाता है और हम गलती कर जाते हैं!'

'इसलिए हमेशा याद रखो कि मंजिल के नज़दीक पहुँचने और यथार्थ में मंजिल पर पहुँचने में बहुत फ़र्क है!'

युवकों को बाबा की इस बात से जीवन की एक बहुत बड़ी सीख प्राप्त हुई!

हमारे जीवन में भी ऐसा कई बार होता है कि किसी काम को पूरा करने के कगार पर होकर भी हम उसे पूरा नहीं कर पाते!

अंतिम क्षणों में कुछ गड़बड़ हो जाती है और हम पछताते रह जाते हैं! अंतिम क्षणों की ज़रा सी असावधानी से हमारा पूरा काम बिगाड़ देती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मंजिल के करीब पहुँचकर हम अपना धैर्य खो देते हैं।

धैर्य खो देने के कारण हमसे चूक हो जाती है! इसलिए जब तक मंजिल तक न पहुँचे, धैर्य बनाकर रखें।

कार्य के प्रारंभ में जितना धैर्य और सावधानी आवश्यक है, कार्य समाप्ति तक भी आवश्यक है! इसलिए कार्य पूर्ण होने तक धैर्य न खोएं! उतने ही सावधान रहें, जितने प्रारंभ। कहीं धैर्य खो देना लक्ष्य खो देने का कारण न बन जाए!

तीन गुरु

बहुत समय पहले की बात है, किसी नगर में एक बेहद प्रभावशाली महंत रहते थे।

उनके पास शिक्षा लेने हेतु दूर दूर से शिष्य आते थे। एक दिन एक शिष्य ने महंत से सवाल किया- 'स्वामीजी आपके गुरु कौन हैं?'

'आपने किस गुरु से शिक्षा प्राप्त की है ?'

महंत शिष्य का सवाल सुन मुस्कुराए और बोले- 'मेरे हजारों गुरु हैं ! यदि मै उनके नाम गिनाने बैठ जाऊ तो शायद महीनों लग जाए। लेकिन फिर भी मै अपने तीन गुरुओं के बारे में तुम्हें अवश्य बताऊंगा।'

'मेरा पहला गुरु था एक चोर। एक बार मैं रास्ता भटक गया था और जब दूर किसी गांव में पहुँचा तो बहुत देर हो गयी थी। सब दुकाने और घर बंद हो चुके थे।

लेकिन आख़िरकार मुझे एक आदमी मिला जो एक दीवार में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा था।

मैंने उससे पूछा कि मैं कहां ठहर सकता हूं, तो वह बोला कि आधी रात गए इस समय आपको कहीं कोई भी आसरा मिलना बहुत मुश्किल होगा, लेकिन आप चाहें तो मेरे साथ आज की रात ठहर सकते हो।

मैं एक चोर हूं और अगर एक चोर के साथ रहने में आपको कोई परेशानी नहीं है तो आप मेरे साथ रह सकते हैं।

मैं उसके साथ एक रात की जगह कुछ दिनों तक रुक गया! वह हर रात मुझे कहता कि मैं अपने काम पर जाता हूं, आप आराम करो, प्रार्थना करो कि मुझे चोरी में आज अच्छा धन मिले।

जब वह काम से आता तो मैं उससे पूछता की कुछ मिला तुम्हें? तो वह कहता कि आज तो कुछ नहीं मिला पर अगर भगवान ने चाहा तो जल्द ही जरुर कुछ मिलेगा।

वह कभी निराश और उदास नहीं होता था, और हमेशा मस्त रहता था। कुछ दिन बाद मैं उसको धन्यवाद करके वापस अपने घर आ गया।

मुझे ध्यान करते हुए सालों-साल बीत गए, तो कई बार ऐसे क्षण आते थे कि मैं बिलकुल हताश और निराश होकर साधना छोड़ लेने की ठान लेता था और तब अचानक मुझे उस चोर की याद आती जो रोज कहता था कि भगवान ने चाहा तो जल्द ही कुछ जरुर मिलेगा!

और इस तरह मैं हमेशा अपना ध्यान में लगाता और साधना में लीन रहता।

और मेरा दूसरा गुरु एक कुत्ता था। बहुत गर्मी वाले दिन थे, मैं कही जा रहा था और मैं बहुत प्यासा था, पानी की तलाश में घूम रहा था कि सामने से एक कुत्ता दौड़ता हुआ आया।

वह भी बहुत प्यासा था। पास ही एक नदी थी। उस कुत्ते ने आगे जाकर नदी में झांका तो उसे एक और कुत्ता पानी में नजर आया जो की उसकी अपनी ही परछाई थी।

कुत्ता उसे देख डर गया। वह परछाई को देखकर भौंकता और पीछे हट जाता, लेकिन बहुत प्यास लगने के कारण वह वापस पानी के पास लौट आता। अंततः, अपने डर के बावजूद वह नदी में कूद पड़ा और उसके कूदते ही वह परछाई भी गायब हो गई।

उस कुत्ते के इस साहस को देख मुझे एक बहुत बड़ी सिख ने भी कहा मिल गई। अपने डर के बावजूद व्यक्ति को छलांग लगा लेनी होती है। सफलता उसे ही मिलती है जो व्यक्ति डर का साहस से मुकाबला करता है।

मेरा तीसरा गुरु एक छोटा बच्चा है। मैं एक गांव से गुजर रहा था कि मैंने देखा एक छोटा बच्चा एक जलती हुई मोमबत्ती पास के किसी मंदिर में रखने जा रहा था।

मजाक में ही मैंने उससे पूछा की क्या यह मोमबत्ती तुमने जलाई है?

वह बोला, जी मैंने ही जलाई है। तो मैंने उससे कहा कि एक क्षण था जब यह मोमबत्ती बुझी हुई थी और फिर एक क्षण आया जब यह मोमबत्ती जल गई।

क्या तुम मुझे वह स्त्रोत दिखा सकते हो जहां से वह ज्योति आई ?

वह बच्चा हँसा और मोमबत्ती को फूंख मारकर बुझाते हुए बोला, अब आपने ज्योति को जाते हुए देखा है। कहां गई वह ? आप ही मुझे बताइए।

मेरा अहंकार चकनाचूर हो गया, मेरा ज्ञान जाता रहा। और उस क्षण मुझे अपनी ही मूढ़ता का एहसास हुआ। तब से मैंने कोरे ज्ञान से हाथ धो लिए।'

मुझे अपने जीवन में जहाँ से भी कुछ सीखने को मिला मेने उसे ही अपना गुरु समझा।

ज्ञान तो मिल गया, परंतु धारण तब हुआ जब मैंने इसे बाँटना शुरू किया।

हर समय हर ओर से सीखने को तैयार रहना चाहिए। कभी किसी की बात का बुरा नहीं मानना चाहिए, किसी भी इंसान की कही हुई बात को ठंडे दिमाग से एकांत में बैठकर सोचना चाहिए कि उसने क्या कहा और क्यों कहा तब उसकी कही बातों से अपनी की हुई गलतियों को समझे और अपनी कमियों को दूर करें।

जीवन का हर क्षण, हमें कुछ न कुछ सीखने का मौका देता है। हमें जीवन में हमेशा एक शिष्य बनकर अच्छी बातों को सीखते रहना चाहिए।

यह जीवन हमें आये दिन किसी न किसी रूप में किसी न किसी गुरु से मिलाता रहता है, यह हम पर निर्भर करता है कि क्या हम उस महंत की तरह एक शिष्य बनकर उस गुरु से मिलने वाली शिक्षा को ग्रहण कर पा रहे हैं कि नहीं ..!!

प्रांतीय समाचार : गुजरात

सीए के मेधावी छात्र का सम्मान

३ अप्रैल २०२६ को सूरत निवासी श्री जितेंद्र बाजोरिया एवं श्रीमती बबीता बाजोरिया की सुपुत्री कृतिका बाजोरिया को CA के फाइनल एग्जाम में सूरत में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर घर जाकर प्रोत्साहन सम्मान दिया गया। इस खुशी में बच्ची को दुपट्टा उढाकर सम्मानित किया गया और मुंह मीठा कराया गया। कृतिका के माता-पिता बहुत खुश नजर आए और उन्होंने अपनी बेटी की अध्ययन यात्रा का वृतांत भी सुनाया। गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तरफ से बेटी के लिए सम्मान पाकर माता-पिता बहुत खुश नजर आए।

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल एवं सम्मेलन के सम्मानित सदस्य श्री विनोद जी चिड़ावा वाला भी उनके घर गए और बच्ची की उपलब्धि पर उसे प्रोत्साहित किया।

आगे ४ अप्रैल २०२६ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल के साथ श्री शंकर लाल जी गोयल, सी ए रोहित पचेरीवाला और श्री विजय जी बोथरा ने सी ए के फाइनल एग्जाम में सूरत के टॉपर कृष्णा केडिया को रामेश्वरम ग्रीन स्थित घर पर जाकर उसे सम्मानित किया। शंकर लाल गोयल जी ने कृष्णा केडिया को दुपट्टा उढाया तथा प्रदेश अध्यक्ष ने मुंह मीठा कराया। श्री मनोज केडिया और श्रीमती रेनू केडिया के सुपुत्र श्री कृष्णा केडिया का पूरा परिवार कार्यक्रम में मौजूद था जिसमें श्री सीताराम केडिया, श्रीमती सुलोचना केडिया, राजू केडिया, प्रियंका केडिया, मनीष केडिया, प्रीति केडिया, पूनम केडिया, मयंक केडिया, सौम्या केडिया, प्रवीण केडिया और सलोनी केडिया आदि उपस्थित थे।

इसी श्रंखला में ५ अप्रैल २०२६ को मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष श्री गणेश जी अग्रवाल एवं शोभना अग्रवाल के पुत्र चि. निश्चल द्वारा सी ए का फाइनल एग्जाम पास करने पर घर जाकर प्रोत्साहन सम्मान दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने पूरे परिवार का मुंह मीठा कराया। साथ में सम्मेलन परिवार के सदस्य श्री दीपक डालमिया जी भी उपस्थित थे।

गौ सेवा का आयोजन

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तापी उड़ान शाखा, सूरत द्वारा अमावस्या के पावन अवसर पर गौ माता को खीरा-ककड़ी खिलाने का सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शाखा अध्यक्षा श्रीमती मनीषा कजारिया ने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को बढ़ाते हैं। इस अवसर पर संस्था की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेवा कार्य में अपना योगदान दिया और सभी ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

इस पुण्य कार्य के अवसर पर शाखा सचिव श्रीमती दिशा लोहिया, सुश्री रश्मि लाठ, सुश्री नीता भट्टर, सुश्री अंजु नाहटा, सुश्री कविता डागा, सुश्री रिंकू मोहता, सुश्री लीना चौधरी, सुश्री वंदना जैन, सुश्री प्रिया डागा, सुश्री अभिलाषा अग्रवाल, सुश्री नीता बोथरा सहित अन्य बहनें शामिल रहीं। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

सार्वजनिक प्याऊ घर का उद्घाटन

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अग्रसेन चौक, समता कॉलोनी में सार्वजनिक प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा (जोन अध्यक्ष, नगर निगम रायपुर) के शुभ हस्तों द्वारा संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया जी, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री अमर बंसल, प्रांतीय महामंत्री CA जी.जी. अग्रवाल, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री सुरेश चौधरी, श्री संजय शर्मा, श्री रवि सिंघानिया, श्री नरेश सिंघानिया, श्री प्रकाश माहेश्वरी, श्री गोविंद अग्रवाल, श्री कैलाश छापरिया, श्री नवीन भूसानिया, श्री राधेश्याम सिंघानिया, श्री नितेश अग्रवाल, श्री नारायण अग्रवाल, श्री कमलेश सिंघानिया, श्री प्रवीण सिंघानिया, श्री अशोक अग्रवाल, श्री अजय तायल, श्री जोगी डागा आदि माननीय सदस्य उपस्थित रहे।

गुवाहाटी शाखा द्वारा मारवाड़ी हॉस्पिटल्स को दिया गया २ लाख का चेक

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से मारवाड़ी अस्पताल को ₹२००००० का चेक सहयोग स्वरूप प्रदान किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शंकर बिडला ने यह चेक मारवाड़ी अस्पताल के महासचिव किशोर साबू को सौंपा। इस दौरान मारवाड़ी हॉस्पिटल्स के महासचिव किशोर साबू ने मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से मानव सेवा की दिशा में किए गए सहयोग के लिए शाखा तथा भुवालका परिवार की प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने थैलेसीमिया से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को वर्ष भर निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया। शाखा के उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका ने कहा कि मानव सेवा सर्वोपरि है। ऐसे में थैलेसीमिया से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के जिन बच्चों को प्रतिमाह रक्त की आवश्यकता पड़ती है उनके लिए यह खर्च का वहन करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे जरूरतमंद परिवारों को मारवाड़ी हॉस्पिटल के माध्यम से मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से पूरे एक वर्ष तक निःशुल्क रक्त उपलब्ध करने हेतु अपना सहयोग दिया है। इस मौके पर हॉस्पिटल्स की ओर से अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय, महाप्रबंधक कमला सिंह, वर्किंग कमिटी सदस्य संजय संथोलिया उपस्थित थे। वहीं मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शंकर बिडला, उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सचिव सूरज सिंघानिया, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सोनी, जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया, रक्तदान संयोजक बजरंग सुराणा, अशोक सेठिया, माखन अग्रवाल, रामावतार सिखवाल, प्रभाष पोद्दार, विनोद कुमार जिंदल, प्रदीप पाटनी, राकेश भातरा, जितेंद्र जैन आदि सदस्य उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनाया गणगौर

मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव महिला शाखा और धेमाजी महिला शाखा द्वारा पारंपरिक एवं सांस्कृतिक महत्व के पर्व गणगौर हर्षोल्लास के साथ मनाया।

बंगाईगांव महिला शाखा ने स्थानीय होटल जाहवी में इस पर्व पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनीता सुरेखा एवं श्रीमती अन्नू अग्रवाल द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने सहज एवं मधुर संचालन से पूरे आयोजन को आकर्षक बना दिया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने पारंपरिक गणगौर गीत गाकर वातावरण को भक्तिमय एवं सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया।

महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती मंजू दुग्गड़ एवं सचिव चंदा भंसाली ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

कामरूप शाखा की कार्यकारिणी व साधारण सभा आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की कार्यकारिणी की चौथी बैठक तथा १२वीं साधारण सभा का आठगांव स्थित एपी होम में २२ मार्च को शाखा अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। शाखाध्यक्ष श्री अजीत शर्मा के स्वागत संबोधन के पश्चात सचिव श्री अनुज चौधरी ने पिछली बैठक का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अनुमोदन प्राप्त किया। बैठक में हाल ही में आयोजित विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं को जागरूक करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही, बिहू, पर्यावरण दिवस, वार्षिक योग दिवस और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की रूपरेखा भी तैयार की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्री सरिता लोहिया, पूर्व अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता एवं श्री निरंजन सिकरिया की उपस्थिति रहे। दूसरे चरण में साधारण सभा का आयोजन किया गया।

त्रैमासिक साधारण सभा आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड महिला शाखा की तृतीय त्रैमासिक साधारण सभा अध्यक्ष श्रीमती वीणा अग्रवाल जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभा में संगठन की आगामी गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई।

सभा में सचिव श्रीमती कुसुम बांग, निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती सुमिता धीरसरिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती रितु चौधरी, सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रिंकू बंसल, संरक्षक श्रीमती रेखा बोधरा, सलाहकार श्रीमती मुन्ना महेश्वरी, खेल मंत्री श्रीमती ममता जैन, श्रीमती किरण सत्तलिया, श्रीमती सुमित्रा शर्मा, श्रीमती तारा सोनी, श्रीमती कांताबेन खेड़वाल, श्रीमती तारा सोनी सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 **6680 0000**

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

- Multi-Asset Investments
- Capital Market Investments
- Real Estate
- Warehousuing
- Structured Finaring & Secured Lending
- Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

साधारण सभा का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी मेट्रो शाखा के सत्र २०२५–२७ की द्वितीय साधारण सभा २९ मार्च को आयोजित की गई। सभा में शाखाध्यक्ष श्री अमित कुमार कंसल ने शाखा के कार्यों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने आगामी समय में योजनाबद्ध कार्यों के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँच बनाने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर श्री कंसल ने संगठन की निरंतर प्रगति का श्रेय सदस्यों के सहयोग, समर्पण एवं सक्रिय सहभागिता को दिया। सभा में सचिव श्री मनोज पोहार द्वारा पिछली बैठक के कार्यवृत्त एवं सचिवीय प्रतिवेदन विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात आगामी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर व्यापक चर्चा हुई, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपने विचार और सुझाव साझा किए।

कोषाध्यक्ष श्री तुषार जालान ने संगठन की आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। रिपोर्ट में वित्तीय स्थिति, आय के स्रोत एवं व्यय का स्पष्ट उल्लेख किया गया, जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर संतोष व्यक्त किया।

सभा में वर्तमान सचिव श्री मनोज पोहार एवं संयुक्त सचिव श्री रंजन अग्रवाल ने व्यक्तिगत व्यस्तताओं के कारण अपने पदों से मुक्त होने की इच्छा जताई। सदस्यों एवं अध्यक्ष की सहमति से उनके इस निर्णय को स्वीकार करते हुए उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया।

इसके उपरांत संगठन के सुचारु संचालन हेतु श्री नवीन हरलालका को नया सचिव एवं श्री जितेश जालान को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री गौतम गोयनका ने दोनों नव नियुक्त पदाधिकारियों को विधिवत शपथ दिलाई।

सभा में नए सदस्यों के रूप में श्री विनीत अग्रवाल, श्री रमेश साराफ, श्री विकास कुमार मित्तल एवं श्री विकास अग्रवाल का भी शपथ ग्रहण कराया गया। साथ ही हाल ही में दिवंगत समाज बंधुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक मिनट का मौन रखा गया।

अंत में नव-नियुक्त संयुक्त सचिव श्री जितेश जालान ने सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ सभा का औपचारिक समापन हुआ।

साड़ी, खिलौने और वस्त्र वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन, शिवसागर शाखा द्वारा स्थानीय साईं बाबा मंदिर परिसर में २६ मार्च को प्रांतीय सेवा प्रकल्प का आयोजन किया गया, जिसमें जरूरतमंदों के बीच साड़ी, खिलौने, वस्त्र और चॉकलेट आदि वितरित किए गए।

इस सेवा कार्य की संयोजक श्रीमती श्रुति चांडक और श्रीमती पायल अग्रवाल रहीं, जिनके कुशल मार्गदर्शन और समर्पण से कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में विभिन्न दानदाताओं ने उदारतापूर्वक सहयोग प्रदान किया। इनमें प्रमुख रूप से शामिल थे: श्रीमती संध्या देवी (प्रदीप कुमार खेमका), श्रीमती रेखा (आनंद प्रकाश केडिया), श्रीमती कांता (रूपचंद करनानी), श्री गोपाल कृष्ण चांडक, श्री राजेश कुमार अग्रवाल, श्री सुनील कुमार छावछरिया, श्रीमती पायल अग्रवाल, श्रीमती श्रुति चांडक, श्रीमती सरोज चौखानी और श्री विनोद कुमार झुरिया।

बटद्रवा धाम को दिए १५ डस्टबिन

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की पावन जन्मस्थली बटद्रवा धाम परिसर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी सम्मेलन नगांव महिला शाखा द्वारा १५ डस्टबिन भेंट किए गए।

यह डस्टबिन बटद्रवा धाम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं नवगठित सत्र के सत्राधिकारी श्री अतुलान ज्योति देवगोस्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष श्री गोविंद दास, महासचिव श्री ललित बरदोलोई तथा कोषाध्यक्ष श्री बदन कलिता को औपचारिक रूप से सौंपे गए।

इस कार्यक्रम में महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती नीतू पोहार, उपाध्यक्ष श्रीमती रिंकू मित्तल, कोषाध्यक्ष श्रीमती संगीता दासानी, सचिव श्रीमती विनिता खांडवाल, संयुक्त सचिव श्रीमती कुसुम सेठिया, श्रीमती सुमन बोथरा, श्रीमती सरला चांडक, श्रीमती लीना कोठारी, श्रीमती दीपा केजरीवाल, श्रीमती पिंकी कोठारी एवं श्रीमती ज्योति बोथरा उपस्थित रहीं। साथ ही प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री संजय गाडोदिया की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

वरिष्ठ समाज बंधुओं का सम्मान

मारवाड़ी सम्मेलन, तिनसुकिया शाखा द्वारा समाज के वरिष्ठ बंधुओं का सम्मान करने का निरंतर प्रयास जारी है। इसी कड़ी में शाखा के प्रतिनिधिमंडल ने २२ मार्च को श्री जुगल किशोर गाड़ोदिया एवं राजकुमार गाड़ोदिया के निवास पर जाकर उन्हें और उनके परिवार को फुलाम और गामोछा पहनाकर सम्मान पत्र भेंट किया। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे परिवार के साथ परिचय किया।

श्री जुगल किशोर गाड़ोदिया ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन तिनसुकिया द्वारा हमारे घर आकर सम्मान प्रदान करना अविस्मरणीय अनुभव है। सम्मेलन समाज में जागरूकता फैलाते हुए समाज को दिशा प्रदान करता रहे, यही हमारी शुभकामना है। उनके पुत्र अमित गाड़ोदिया ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में भी अभिभावकों का सम्मान करने की प्रेरणा पैदा करते हैं और इससे समाज में सम्मेलन के प्रति जुड़ाव और प्रेम बढ़ता है। इस सम्मान कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्री पवन केजरीवाल, सचिव श्री विमल चौखानी, संयोजक श्री दीपक बजाज एवं श्री जितेन्द्र डालमिया के साथ श्री मनोज अग्रवाल, श्री निर्मल शर्मा, श्री राजकुमार अग्रवाल, श्री नारायण भट्टीवाड़ा, श्री रमेश शर्मा, श्री मुकेश जिंदल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

गणगौर पर भव्य शोभायात्रा

गणगौर के पावन अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन की लखीमपुर महिला शाखा ने माहेश्वरी महिला संगठन एवं मारवाड़ी युवा मंच प्रगति शाखा, लखीमपुर के साथ एक भव्य शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख स्थानों में उत्साह, श्रद्धा एवं पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हुई।

कार्यक्रम का सफल संचालन सचिव श्रीमती दीपा मालपानी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात गणगौर माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसमें सभी महिलाओं ने श्रद्धा एवं उल्लास के साथ भाग लिया।

धूमधाम से मनाया गणगौर उत्सव

मारवाड़ी सम्मेलन की धेमाजी शाखा और सिमलगुड़ी शाखा ने १४ मार्च को स्थानीय रूपकुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल भवन में अखंड सौभाग्य की कामना से मनाया जाने वाला गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया।

धेमाजी महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती ललिता बंसल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती दीपा मालपानी ने किया। उत्सव की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद गणगौर माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसमें सभी महिलाओं ने श्रद्धा और उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में श्री शिव प्रसाद बाजोरिया, श्री पवन कुमार मस्करा, श्री दीपचंद अग्रवाल, श्री नटवर शर्मा, श्री दीपक शर्मा, श्री अभिषेक बिहानी, श्री मोहित मस्करा सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। वहीं नाजिरा में भी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गणगौर पर्व मनाकर माता को भावभीनी विदाई दी।

प्रांतीय पदाधिकारियों का शिवसागर शाखा का दौरा

प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्री बिरेन अग्रवाल एवं वरिष्ठ पदाधिकारी श्री राजेंद्र हरलालका ने १७ मार्च को शिवसागर शाखा का दौरा किया। उनके आगमन पर शाखा अध्यक्ष श्री प्रदीप खेमका और सचिव श्री आनंद प्रकाश केडिया ने प्रांतीय अधिकारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एक बैठक हुई। बैठक में सदस्यता विस्तार, विशेषकर मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी, बैठकों में निरंतर उपस्थिति, तथा समाज में बढ़ते संबंध विच्छेद जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर और सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। साथ ही, नेत्र परीक्षण और नेत्रदान जैसे सेवा प्रकल्पों की सराहना करते हुए उन्हें और व्यापक बनाने पर जोर दिया गया।

संयुक्त शाखा बैठक आयोजित

२९ मार्च २०२६ को होटल रॉयल पैलेस, भवानीपटना में अनुष्ठित भवानी पटना जिला समिति के सभी शाखा के सदस्य, तितलागढ़, बलांगीर, बरगढ़, संबलपुर, खरियार, तितलागढ़ महिला शाखा, युवा मंच, महिला समिति तथा अन्य कई संस्थाओं के करीब २५० से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस बैठक में मंच पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव श्री किशन अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष CA दीपक गुप्ता, प्रांतीय कोषाध्यक्ष CA नरेंद्र जैन, नवनिर्वाचित कालाहांडी जिला अध्यक्ष श्री श्रवण अग्रवाल तथा उपस्थित सभी प्रांतीय उपाध्यक्ष, सचिव तथा जिला कमिटी के सदस्य उपस्थित थे, श्री सुभाष जी अपने नई कार्यकारिणी की घोषणा की तथा उपस्थित सभी पदाधिकारियों को पद की शपथ श्री दिनेश अग्रवाल द्वारा दिलाई गई।

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों, सभी शाखा अध्यक्ष, विशेष कर संबलपुर शाखा अध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल तथा श्री कमल पंसारी को शिखर के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया गया। २० सदस्यों के साथ नए बेहरा ब्रांच का शुभारंभ किया गया, श्री दीपक गुप्ता के नेतृत्व में पुरे प्रदेश के CA जनों से मिल आर्थिक रूप से कमजोर बंधुओं के लिए स्वरोजगार योजना, समाज कल्याण हेतु आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए एकमुश्त रु. १०००० रूपये सहायता राशि, जिसके लिए प्रांतीय संगठन उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण गुप्ता तथा मुख्यालय उपाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, श्री अनु भाई, बलांगीर ने तुरंत सभास्थल में ही ११ /११ परिवारों को सहायता की घोषणा की, संगठन विस्तार के लिए प्रोत्साहन स्वरूप शाखाओं को २० नए महिला सदस्य बनाने पर १ सिलाई मशीन, २५ नए सदस्य बनाने पर १ व्हील चेयर, १०० नए सदस्य बनाने पर १ वाटरकुलर भेंट स्वरूप प्रदान की जाएगी।

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के आह्वान पर पौष्टिक आहार सबके लिए योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को जन्मदिन, विवाह अवसर, त्यौहार, सालगिरह तथा अन्य अवसर पर फल, मिठाई का बंटन, साड़ी बैंक के सफलता के बाद, पुरे प्रांत में बुक बैंक परियोजना श्री अनिल मोदी बलांगीर तथा गोपाल अग्रवाल, संबलपुर के नेतृत्व में प्रारंभ की जाएगी, दिसंबर १ से ३० दिसंबर तक सभी सामाजिक संस्थाओं के साथ मिल १ लाख कंबल वितरण, अतिशीघ्र सभी योजनाओं की विस्तृत कार्य योजना की रिपोर्ट प्रदान की जाएगी। उपस्थित सभी शाखा, महिला समिति, युवा मंच द्वारा श्री सुभाष जी को संवर्धित किया गया।

अभिनंदन

५ अप्रैल २०२६ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की संबलपुर शाखा की बैठक हुई। जिसमें उत्कल प्रांत के नए प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल तथा निवर्तमान अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल का स्वागत तथा संबलपुर शाखा से लिए गए नए प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्यों का अभिनंदन तथा सम्मान किया गया, तथा नए कार्यक्रमों को लोकार्पित किया गया। सभा की अध्यक्षता श्री शीशराम अग्रवाल ने की, मंच पर शाखा उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल, सचिव श्री राजकिशोर अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक जलान, मुख्यालय उपाध्यक्ष श्री मंगतूराम अग्रवाल, जोनल उपाध्यक्ष श्री राजकुमार पोद्दार, प्रांतीय महासचिव श्री किशन अग्रवाल थे तथा श्री मति राखी अग्रवाल ने मंच संचालन किया।

हनुमान जयंती पर सुंदरकांड पाठ

मारवाड़ी सम्मेलन, केसिंगा शाखा के महिलाओं द्वारा पवित्र हनुमान जयंती पर गौरीशंकर मंदिर में सुंदरकांड, प्रसाद वितरण तथा बच्चों को सम्मानित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने योगदान दिया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017
प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।
समाजहित में इनसे परहेज करें।
निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

पोषित ओड़िशा विकसित ओड़िशा कार्यक्रम

केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी के समाज के शिखर सम्मेलन में किए गए आह्वान पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा घोषित पोषित ओडिशा तथा विकसित ओडिशा कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करते हुए दिनांक १ अप्रैल २६ को संबलपुर शाखा ने पुजारीपाड़ा, क्षेत्राजपुर स्थित आंगनवाड़ी सेंटर में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल के नेतृत्व में तथा श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, श्री कैलाश अग्रवाल, श्री कमल पंसारी, श्री संभुबरेलिया, श्री दीपक अग्रवाल, श्री ललित शर्मा, श्रीमती दीपिका अग्रवाल, श्रीमती राखी अग्रवाल, श्रीमती ज्योति अग्रवाल तथा अन्य की उपस्थिति में बच्चों को फल, मिठाई, बिस्किट, चॉकलेट प्रदान कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की तथा कार्यक्रम से प्रभावित हो एक समाजबंधु ने विभिन्न आंगनवाड़ी सेंटर के लिए १० कूलर प्रदान करने की घोषणा की है। सम्मेलन ने इस वर्ष जनचेतना कर अपने समाज के साथ साथ सभी स्वेच्छा सेवी संस्थाओ को साथ ले स्वस्थ शिशु स्वस्थ समाज की अवधारणा के साथ इस कार्य को करने का सबसे निवेदन किया है।

स्पराराेड शाखा के तहत प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल के नेतृत्व मे श्री सुमित कुमार अग्रवाल, श्री महेश अग्रवाल, श्री श्याम सुंदर शर्मा, श्री गणेश राम खेतान की उपस्थिति में स्पराराेड आंगनवाड़ी, बड़गांव, बीलाट, बोरिंगपदर, स्पराराेड गर्वमेंट प्राइमरी स्कूल के करीब १२५ बच्चों को बिस्किट, केला प्रदान कर आज इसकी शुरूआत की तथा सामाजिक जिम्मेदारी के तहत सभी से इस अभियान में जुड़ने के लिए प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष जी ने निवेदन किया।

१३ अप्रैल २०२६ को क्षेत्राजपुर स्थित आंगनवाड़ी सेंटर में जा संबलपुर शाखा के तत्वाधान में करीब १५० बच्चों को फल, चॉकलेट, बिस्किट दिए गए तथा सभी सेंटर में एक एक कूलर कुल ६ कूलर प्रदान किया गया तथा सम्मेलन के आह्वान पर तथा उपयोगिता को देखते हुए समाज द्वारा सहयोग भी प्राप्त हो रहा है, श्री निक्कू मित्तल ने १ कूलर, दीपक गोयल, तलभट्टपाड़ा ने एक डाला केला, श्री अशोक अग्रवाल, अनमोल बिस्किट ने २ कार्टून बिस्किट, छोटू भाई सुपुत्र स्व. राधेश्याम अग्रवाल ने १ कार्टून बिस्किट, श्रीमती सरिता अग्रवाल ने २० दर्जन केले का सहयोग दिया, उक्त कार्यक्रम में श्री दिनेश अग्रवाल, श्री शीशराम अग्रवाल शाखा अध्यक्ष के नेतृत्व में श्रीमती सरिता अग्रवाल, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्रीमती सोनु शर्मा, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, श्री कमल पंसारी, श्री कैलाश अग्रवाल, श्री महावीर अग्रवाल, श्री शंभू बरेलिया, श्री दिलीप शर्मा, श्री अंकित अग्रवाल, श्री विनय केडिया तथा वरिष्ठ व्यापारी श्री जज्जू तिवारी भी उपस्थित रहे।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की राजा खरियार शाखा द्वारा १ अप्रेल २०२६ को प्रान्तीय कार्यक्रम पोषित ओड़िशा विकसित ओड़िशा कार्यक्रम के तहत खरियार शाखाध्यक्ष श्री नरेश छापड़िया जी के नेतृत्व में एवं कांटाबांजी जोन के प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, शाखा उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल (पप्पु), शाखा सचिव श्री बजरंग अग्रवाल, प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य श्री ओमप्रकाश चौधरी, सदस्य बबलु बंसल, सदस्य राधेश्याम गोयल (राधु) की उपस्थिति में उत्कल बाल आश्रम, खरियार के ५० बच्चों एवं आश्रम के १४ कर्मचारियों को फ्रूट, बिस्कुट, नमकीन, प्रशाद एवं रंगीन पेंसिल का वितरण किया गया।

इस अवसर पर खरियार शाखा के सदस्यों द्वारा बाल आश्रम का निरीक्षण करते हुए पाया गया कि आश्रम में बढ़ती गर्मी को देखते हुए कुलर की आवश्यकता है तुरंत शाखा सचिव श्री बजरंग लाल जी एवं सदस्य श्री राधेश्याम गोयल जी द्वारा आश्रम को २ पीस कुलर देने की घोषणा की एवं जोनल उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल जी ने प्रान्तीय कार्यक्रम पोषित ओड़िशा विकसित ओड़िशा अभियान में सभी शाखाओं को शामिल होने का निवेदन किया।

मारवाड़ी सम्मेलन का होम्योपैथिक शिविर

मारवाड़ी सम्मेलन बेरमो शाखा के द्वारा सम्मेलन के चिकित्सा शिविर प्रभारी-भवानी अग्रवाल की देखरेख में स्थानीय श्री अग्रसेन भवन फुसरो में नि:शुल्क होम्योपैथिक शिविर का आयोजन श्री बजरंग अग्रवाल के सौजन्य से किया गया। जिसका उद्घाटन श्री अग्रसेन स्मृति भवन के वरीय उपाध्यक्ष श्री अशोक राठी तथा कोषाध्यक्ष श्री प्रेम राज गोयल, सम्मेलन के महामंत्री श्री कृष्ण कुमार चांडक व श्री राजेश राठी के द्वारा डॉ. यूके नाग को पुष्पगुच्छ तथा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री संजय अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री पवन अग्रवाल, श्री उमेश सिंह आदि मौजूद थे।

शरबत वितरण शिविर का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन सोनारी शाखा की ओर से अक्षय तृतीया, परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर ११०० ग्लास शीतल टाटा ग्लूकोस शरबत का वितरण एरोड्रम सब्जी बाजार के समीप किया गया।

उपरोक्त शिविर का उद्घाटन पूर्व विधायक श्री कुणाल सारंगी एवं समाजसेवी श्री ओम प्रकाश रिंगसिया ने सयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष आनंद अग्रवाल के द्वारा की गई एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री नारायण अग्रवाल के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोहन गुप्ता, ललित अग्रवाल, दीपक पारीक, सुरेश अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, मैना देवी, शालिनी अग्रवाल, शकुंतला शर्मा, चंदा शर्मा, अंजू अग्रवाल, राधा अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल (ताऊ) श्याम सुंदर अग्रवाल, अशोक जैन, ओम शर्मा, विष्णु शर्मा, सुरेश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, अशोक जैन कैलाश शर्मा, विवेक अग्रवाल, विकास शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गणगौर महोत्सव का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा द्वारा ३० मार्च को गणगौर महोत्सव का आयोजन मानगो स्वर्णरेखा नदी पर किया गया। मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने सामूहिक गणगौर विर्सजन किया। साकची शाखा के अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल ने बताया की ३००० महिलाएं कार्यक्रम मे शामिल हुई

मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री बबलु अग्रवाल ने कहा की साकची शाखा की महिलाएं राजस्थानी परिधान से सजधज कर सामूहिक गणगोर विसर्जन कार्यक्रम में उपस्थित हुई।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा के अध्यक्ष श्री बजरंग लाल अग्रवाल, महामंत्री श्री बबलु अग्रवाल मिनी, कोषाध्यक्ष श्री सन्नी संघी, श्री अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, श्री ओम प्रकाश रिंगसिया, श्री विजय आनंद मुनका, श्री संतोष अग्रवाल, श्री अरुण बाकरेलवाल, श्री लालचंद अग्रवाल, श्री दीपक पारीक, श्री अंशुल रिंगसिया, श्री रमेश मूनका, श्री अशोक गुप्ता, श्री निर्मल पटवारी, श्री दीपक चेतानी, श्री सांवरमल अग्रवाल, श्री सीताराम देबुका, श्री कमल अग्रवाल, श्री कमल फार्मा, श्री पुनीत कावंटिया, श्री रमेश मूनका, श्री बजरंग अग्रवाल, श्री राहुल चौधरी, श्री रोहित अग्रवाल, श्री कुशल गनेडिवाल, श्री विकास काउंटिया, श्री मनोज अग्रवाल सहित समाज बंधुगण उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **केदार नाथ गुप्ता**, राष्ट्रीय महामंत्री

प्रांतीय समाचार : महाराष्ट्र

द्वितीय प्रांतीय कार्यकारिणी सभा संपन्न

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की द्वितीय प्रांतीय कार्यकारिणी सभा १२ अप्रैल २०२६ को जालना स्थित 'होटल सिद्धार्थ द फन रेजिडेंसी' में बड़े उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

इस अवसर पर सम्मेलन के पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रमेश बंग, राज्य के पूर्व सहकारिता मंत्री श्री जयप्रकाश मुंदड़ा, पार्षद श्री वीरेंद्र धोखा, महाराष्ट्र प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष श्री निकेश गुप्ता, श्री महेश बंग, श्री शिवनाथ राठी, श्री कमलेश बागरेचा, श्री फकीरचंद मुंदड़ा, श्री संतोष गोला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : सिक्किम, संबंद्ध संस्था

राजस्थान दिवस मनाया गया

३० मार्च २०२६ को सिक्किम में राजस्थान दिवस का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर की अगुवाई में ये कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग, उनके सभी मंत्रिमंडल और राजस्थान से आए हुए वन मंत्री उपस्थित थे। कई प्रसिद्ध कवियों ने कवि सम्मेलन में भाग लिया, जिन्होंने अपनी रचनाओं से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर, सिक्किम मारवाड़ी समाज की बच्चियों ने अपनी नृत्य प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। यह कार्यक्रम सिक्किम मारवाड़ी समाज के लिए एक यादगार क्षण बन गया।

सबा स निवेदन है आपणां घरा में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड़ भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

प्रांतीय समाचार : आंध्रप्रदेश

नई शाखा खोलने हेतु बैठक

"अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन" के तत्वावधान में "आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन" के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल के द्वारा आंध्रप्रदेश के वेस्ट गोदावरी जिला में दिनांक: १२ अप्रैल २०२६ को राजमहेंद्रवरम शहर मे नई शाखा खोलने हेतु एक सार्वजनिक बैठक की गई। बैठक का संचालन श्री अशोक कुमार सोलंकी के द्वारा किया गया।

इस बैठक में विजयवाड़ा से आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सलाहकार श्री डॉ. रसीक संधवी, विशाखापट्टनम मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य श्री हरीसिंहजी, प्रजापत बाबूलाल की उपस्थित रहे।

बैठक में ५० से अधिक सदस्यों की उपस्थित रही। १२ लोगो ने सदस्यता के फार्म भरे और जल्द ही अन्य सदस्यों ने जुड़ने का आश्वासन दिया है। आगे एक बैठक कर नई शाखा खोलने की बात कही गई।

"शीतल पेय जल एंव छाछ" वितरण

"आन्ध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन" के तत्वाधान में "विजयवाडा मारवाडी सम्मेलन" द्वारा दिनांक: २३ अप्रैल २०२६ गुरुवार से वन टाउन पोलिस स्टेशन के बाहर "शीतल पेय जल एंव छाछ" की प्याऊ SRI N.S.V.K. DURGA RAO - A.C.P. West Division B एवं SRI B. GUNA RAMU - C.I. One Town के कर कमलो के द्वारा चालु की जा रही है।

सुबह ११-०० बजे से २०० लिटर छाछ (करीब २००० गिलास) एंव पुरे दिन शीतल पेय जल के वितरण की व्यवस्था चालु रहेगी।

करीब करीब दो से ढाई महीना तक यह सेवा कार्यक्रम लगातार चालु रहेगा।

व्यंग्य

मारवाड़ी व्यंग्य

राजस्थानी लोक गीतां में बेटी नै कोयल रूप मान दिरीजै क्यूंके सगळा पाखियां में स्सैं सूं मीठो अर सुरीलो सुर कोयल रो हुवै। आ मंगळकामना करीजै के बा आपरै सासरै में आपरी मीठी बाणी सूं सगळां रो मन जीतनै राजस करै।

जिको मीठो, मधरो अर मनभावण बोले, बीं रा दूजा अवगुण लुक जावै। बो भलो अर भोळो मानीजै। बीं री नुगराई कानी ध्यान ई कोनी जावै। कोयल अर कागलो, दोनां रो रंग काळो हुवै पण मीठा बोल बोळण आळी कोयल री आपां तारीक करां अर बाड़ो पण खरो बोळणियै कागलै नै भूंडता रैवां।

कोयल रो रंग ई काळो कोनी, बीं रो मन ई काळो है जदकै कागलो बोलण में बाड़ो है पण मन सूं भोळो है। बीं रै भोळापै रो फायदो कोयल उठावती रैई है। कोयल काम करण में इत्ती माठी है कै आपरै रैवण सारू घोंसलो बणावतां ई बीं री ज्यान निकळै। बिना आपरै घोंसलै ई बा मीठै सुर में गांवती च्यारूं कूंट कुदड़का मारती रैवै। रात ढळयां किणी पेड़ माथै डेरो जमाय लेवै। पण जद 'पेटसुणी' हुवै जणै 'धणी-लुगाई' नै भोळोभाळो कागलो याद आवै।

नर कोयल कागलै-कागली रै घोंसलै रै आसै-पासै चक्कर निकाळतो बां नै तंग करणो सरू करै। बां नै इत्ती भूंडी रीस आवै कै बे दोनूं बीं नै भगावण सारू बीं रै लारै उडार भरै। मादा गोयल फुरती सूं कागलां रै घोंसले में आपरा अंडा राखै। क़ागली रा अंडा बठै पैला सूं हुवै। बा बठै आपरा जे दो अंडा राखै तो कागली रा दो अंडा रो जीमण कर'र बठै सूं पट्टी। कागलो'र कागली सुधा-सरल पाखी। बे नर कोयल नै दूर तांई भगायठर पाछा आबै। गिणती में अंडा पैला जित्ताई देखै जणै बां नै नैहचो हुय आवे। धोखेबाज कोयल रै अंडां नै आपरा मान'र कागलो-कागली सैवै-गरमास देवै। बदमास कोयलड़ी मस्ती करै। जद अंडां सूं बच्चिया निकळै जणै ल्याई बां दोनें नै धोखो देयनै आपरा बच्चिया बठै सूं चोर'र लेय जावै।

मादा कोयल री बडाई करणिया कवि'र लोक कवि इण साच सूं ई अणजाण है कै मीठी सुर नर कोयल रो हुवै। मादा कोयल तो बेसुरी हुवै। फेर ई बे मीठै - सुरीलै सुरआळी लुगायां नै सुर ..... आदरै।

कोयल जियां मीठा बोल बो..... बोलणआळ्यां रै चकारै में आय'र .....डर घणो रैवै जदके कागलै जियां ..... बोलणिया सूं धोखै रो डर कमती अर सीख रा चांस बेसी रैवै।

उपलब्धियाँ

साहित्य अकाडेमी, दिल्ली रै राजस्थानी भाषा रै युवा पुरस्कार सारू **भाई पूनमचंद गोदारा** नै मोकळी बधाई!

तितलागढ़ (ओडिशा) के रहने वाले **प्रियांश अग्रवाल** ने रोबोटिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें सम्मान के तौर पर ₹१० लाख की पुरस्कार राशि दी गई। राउरकेला से माइनिंग इंजीनियरिंग कर रहे प्रियांश ने आईआईटी मुंबई में रिसर्च की और फिर आईआईटी अहमदाबाद में आयोजित प्रतियोगिता में ५००० छात्रों को पछाड़कर यह जीत हासिल की। बधाई।

खळखळी

वाह भई काका

रात री दो बजी काकी रो मोबाइल बाज्यो। काको चिमक'र उठ्या, देख्यो मोबाइल पर एक मैसेज हो- ब्यूटीफूल।

काको तुरंत काकी नै उठाई अर गुस्सै सूं बूझ्यो- ओ के है? तन्नै ब्यूटीफुल रो मैसेज कुण भेज्यो है?

काकी भी चकरागी, अबै ५० री उमर में उणनै ब्यूटीफुल कुण कैवै। सोच में पड़योड़ी काकी मोबाइल हाथ में लियो अर झल्ला'र काकै माथै काटकती बोली- चस्मो लगायर मोबाइल उठाया करो, ब्यूटीफुल कोनी, बैटरी फुल लिख्योड़ो है।

बापड़ो ओटो वाळो

छोरो (ओटो वाळै सूं) -क्यूं भाई हनुमान मिंदर जासी कै?

ओटो वाळो- हां जास्यूं।

छोरो - हां तो जणां, पाछो आवतां प्रसाद लियाई।

अबै कांई कैवूं?

आज बैंक वाळै रो फोन आयो,

बां कैयो- थांरो जिको बैंक बैलेंस है, बीं खातर, बैंक एकाउंट क्यूं खोल्यो,

घर में डब्बो कोनी हो कांई?

अरे, ओ कुण कैय दियो?

बकवास करण सूं मन हळको हुय जावै।

अर सुणन वाळै रो सिर भारी।

इणनै वैग्यानिक भासा में ऊर्जा रो स्थानांतरण कैवै।

– चेतन स्वामी

आलेख

डिजिटल चक्रव्यूह

आज के दौर में हम एक ऐसी डिजिटल दुनिया में जी रहे हैं जहाँ सब कुछ 'मुफ्त' होने का दावा किया जाता है। लेकिन असलियत यह है कि इस मुफ्त की सुविधा के पीछे एक बहुत बड़ा व्यापार छिपा है। जब हम किसी ऐप या प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं, तो हम अपनी सबसे कीमती चीज उन्हें दे रहे होते हैं– अपना 'कीमती समय' और अपनी 'मानसिक शांति'। यह एक ऐसा अदृश्य चक्रव्यूह है, जिसे इस तरह बनाया गया है कि एक बार घुसने के बाद बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है।

प्लेटफॉर्म की भूमिका और हमारी सुरक्षा

आजकल डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर तमाम तरह की भ्रामक जानकारियां (Fake News) और लुभावने विज्ञापन तैरते रहते हैं। अक्सर लोग इनके झांसे में आकर अपना आर्थिक नुकसान कर बैठते हैं। यहाँ समझने वाली बात यह है कि ये प्लेटफॉर्म सिर्फ एक 'जरिया' होने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी सीमित कर लेते हैं। वे कहते हैं कि वे सिर्फ एक मंच हैं जहाँ कोई भी अपनी बात रख सकता है। लेकिन तकनीकी रूप से, उनके सिस्टम (Algorithms) ही यह तय करते हैं कि आपको स्क्रीन पर क्या दिखेगा।

जब हम 'जवाबदेही' की बात करते हैं, तो इसका अर्थ कोई कानूनी उलझन पैदा करना नहीं है। इसका सीधा मतलब है–उपभोक्ता की जागरूकता। एक सजग नागरिक के तौर पर हमें यह समझना होगा कि कौन सी जानकारी हमारे काम की है और कौन सी सिर्फ हमें बरगलाने के लिए है। अगर हम बिना सोचे-समझे हर विज्ञापन पर भरोसा करेंगे, तो नुकसान हमारा ही होगा। असली सुरक्षा कानून की किताबों में नहीं, बल्कि हमारी अपनी सावधानी में है।

ध्यान की चोरी (The Theft of Attention)

डिजिटल दुनिया का सबसे बड़ा खेल हमारे 'अटेंशन' (ध्यान) का है। विज्ञापन और रील की यह अनंत दुनिया आपके ध्यान को अपनी ओर खींचने के लिए डिजाइन की गई है। एक इंसान जो किसी जरूरी काम से फोन उठाता है, वह पांच मिनट के लिए सोशल मीडिया खोलता है और फिर घंटों कैसे बीत जाते हैं, उसे पता भी नहीं चलता।

यह कोई इत्तेफाक नहीं है। यह हमारे दिमाग के साथ होने वाला एक मनोवैज्ञानिक खेल है। कंपनियां चाहती हैं कि आप ज्यादा से ज्यादा समय उनकी स्क्रीन पर बिताएं ताकि वे आपको अपनी पसंद के अनुसार कंटेंट दिखा सकें। इस पूरी प्रक्रिया में इंसान की गहराई से सोचने की क्षमता खत्म होती जा रही है। हम बस एक 'कंज्यूमर' (उपभोक्ता) बनकर रह गए हैं, जो बिना सोचे-समझे बस 'स्क्रॉल' किए जा रहा है।

सिस्टम का हिस्सा रहकर बचाव का रास्ता

सवाल यह है कि क्या इस तकनीक को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए? बिल्कुल नहीं। जल में रहकर नदी के जीवों से बैर नहीं किया जा सकता। आज के युग में तकनीक से पूरी तरह कट जाना खुद को पीछे धकेलने जैसा है। समझदारी इसमें है कि हम इस चक्रव्यूह के काम करने के तरीके को समझें और उसका इस्तेमाल अपनी शर्तों पर करें।

बचाव का रास्ता 'डिजिटल अनुशासन' से निकलता है:

१. **चुनाव की शक्ति:** यह तय करें कि आप क्या देखना चाहते हैं। अगर आप सिर्फ काम की चीजें देखेंगे, तो सिस्टम आपको वही दिखाएगा। आपकी पसंद ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

२. **समय की पाबंदी:** तकनीक को एक औजार की तरह इस्तेमाल करें। काम खत्म होने के बाद फोन को दूर रखना और उन ३०-३५ असली लोगों के साथ समय बिताना जरूरी है जो आपके जीवन का वास्तविक आधार हैं।

३. **संदेह का लाभ:** इंटरनेट पर दिखने वाली हर चमकती चीज या हर लुभावने ऑफर को शक की निगाह से देखें। बिना जांच-पड़ताल किए कोई भी निजी जानकारी या पैसा साझा न करें।

– राजेश कुमार थरड, इंदोर

सदस्य क्यों बने?

देश के सभी भागों से सम्पर्क स्थापना।

रोजगार सहायता, व्यापार सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, उच्च शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का लाभ।

समाज सुधार, संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम से जुड़ना।

मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में भागीदारी।

सामाजिक सुरक्षा, भाईचारा की भावना का विकास।

समाज में विभिन्न घटकों को एकजुट होकर **म्हारी चाह - संगठित समाज** के नारे को सार्थक करना।

व्यक्ति विकास-व्यक्ति चला जाता है उसकदा व्यक्तित्व रह जाता हैं।

समाज विकास में अवदान के अवसर।

राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी।

सदस्य कैसे बने?

१. देश के २४ प्रांतो की प्रांतीय सम्मेलनों से सम्पर्क करें।

२. सदस्यता आवेदन प्रांतीय या राष्ट्रीय कार्यालय सदस्यता शुल्क के साथ भेंजे।

३. अधिक जानकारी के लिए www.marwarisammelan.com को देखें एवं सदस्यता आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

४. राष्ट्रीय कार्यालय के संपर्क सूत्र पते –

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, ४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०००१७ या व्हाट्सएप नं.-८६९७३१७५५७ एवं ई-मेल- aimf1935@gmail.com पर संपर्क करें।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री अजीत कुमार जैन ईस्ट मार्केट, करीमगंज, असम मो. ९७०६०७४८११	**श्री आनंद जैन** मेसर्स - अशोक हार्डवेयर जागीरोड, मोरीगांव, असम मो. ९४३५०६५१९५	**श्रीमती अनीता भारी** शिवम अपार्टमेंट बोंगाईगाँव, असम मो. ८४७४०००७२१	**श्री अनुप चंद पटवारी** मदन मोहन रोड करीमगंज, असम मो. ९४३५७१२५५६	**श्री आशीष अग्रवाल** शांतिपुर, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९८६४२४०७५६
श्री अजीत शर्मा मेसर्स-प्रिया ऑटो हाउस उचामती, दुमदुमा, तिनसुकिया, असम मो. ८४७१८३७४४४	**श्री आनंद शर्मा** सूरज टावर, स्टाइल बाज़ार बोंगाईगाँव, असम मो. ८६३८१२७८८३	**श्रीमती अनीता हरलालका** मेफेयर अपार्टमेंट, लोखरा रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४७९५२४१	**श्री अनुप कुमार मित्तल** ग्रीन एवेन्यू, वीआईपी कॉलोनी, बोंगाईगाँव, असम मो. ७८९६५७७८०८	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** मेसर्स-श्री महाबीर सोप फैक्ट्री डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५०९५८१७
श्री अखिल मोदी पोडोली पथ, ज़िग ज़ैग रोड डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३२२०१	**श्री आनंदराम चौधरी** जोनाई रोड, सिलापाथर धेमाजी, असम मो. ८२९०२२७२३१	**श्रीमती अनीता जैन** नाहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८१३२९४५५५२	**श्रीमती अपर्मा अग्रवाल** २०२ गंगा टावर, सराबभट्टी चार्ली, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१४९९६३	**श्री अशोक कुमार अगरवाला** ए.टी. रोड, मारवाड़ी पट्टी नगाँव, असम मो. ९४३५०६८३३३
श्रीमती अलका माहेश्वरी मेसर्स - नवीन हार्डवेयर ए.ओ.सी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५३१२१४०	**श्री अनिल जैन** जागीरोड, मोरीगांव, असम मा. ९८६४२४९७२२	**श्री अंजनी कुमार गोयल** मेसर्स - गोयल सन एंटरप्राइजेज माकुम रोड, तिनसुकिया, असम मो. ९७०६८०५३३१	**श्रीमती अर्चना देवी बाहेती** गंगा, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७९४८९२१८९	**श्री अशोक कुमार गंग** मेसर्स - जैन स्टोर, ईस्ट मार्केट, करीमगंज, असम मो. ९४३५०७४८९५
श्री अमर चंद मावलिया मेसर्स – पी.पी हार्डवेयर, एल. के.बी. रोड, धेमाजी, असम मो. ८१०४८११७२१	**श्री अनिल कुमार जैन** मेसर्स - मार्बल एंड मार्बल चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१६४६	**श्रीमती अंजू शर्मा** अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५११०२९५	**श्रीमती अर्चना सुरेखा** पंजाब नेशनल बैंक, प्रथम तल, बोंगाईगाँव, असम	**श्री अशोक कुमार मालपानी** मारवाड़ी पट्टी, जोरहाट, असम मो. ९४३५०९०२२४
श्री अमित अग्रवाल गोरुमारा, रोनागोड़ा, नगाँव, असम मो. ९४३५२२२१११	**श्री अनिल कुमार जैन** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७९८४१२००३	**श्री अंकित जैन** बी.ओ.सी. गेट, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७०८६१४०८१६	**श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल** पोस्ट - दुमदुमा, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५७८८७६७	**श्री अशोक कुमार मिश्रा** पुराना चार्ली, नगांव, असम मो. ७००२८०१५९६
श्री अमित अग्रवाल दिगंबर चौक, जोरहाट, असम मो. ९४३५०५०१७९	**श्री अनिल कुमार सुरेका** बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४५९९५५५	**श्रीमती अंकिता गर्ग** बी. बरुआ रोड, उल्लूबाड़ी गुवाहाटी, असम मो. ७००१३२४७६०	**श्री अर्जुन लाल स्वामी** सेकिन मार्केट, एम. टी. रोड लखीमपुर, असम मो. ७००२०२२०७५	**श्री अशोक कुमार पटवा** मेसर्स - पटवा ब्रदर्स, मदन मोहन रोड, करीमगंज, असम मो : ८४०२०१८९९९
श्री अमित कुमार बगरोदिया मेसर्स - श्याम ट्रेडर्स सिलचर रोड, करीमगंज, असम मो. ९८५४८४८२९४	**श्री अनिल पटवारी** द्वारा - जगदंबा ट्रेडर्स, के. बी. रोड, लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८५११३	**श्रीमती अंकिता कांकरिया** होटल मिलेनियम अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४०१४५४१३७	**श्री अरुण कुमार सिपानी** मेसर्स- सुनील राइस मिल जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ७००२६४०१३४	**श्री अशोक कुमार प्रजापत** राहा बाजार, नगांव, असम मो. ८६३८२७३६६७
श्रीमती अमिता देवी अग्रवाल ए.टी. रोड, भारालुमुख गुवाहाटी, असम मो. ९४०१७९४९१८	**श्रीमती अनीता अग्रवाल** फाटाशिल, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५३६७७०	**श्रीमती अंकिता शर्मा** मेन रोड, विश्वनाथ चार्ली सोनितपुर, असम मो. ८८७६५२२१८४	**श्रीमती अरुणा अग्रवाल** शांति राम दास रोड रेहबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०६४१३१	**श्री अशोक कुमार सेठी** मेसर्स - असम स्टील कंपनी सुभाष रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०१४७
श्रीमती अमिता जैन नाहरलगन, पापम पेयर अस्र्णाचँल प्रदेशँ मो. ९४३६८९८७०७६	**श्रीमती अनीता अग्रवाल** प्रियम गौरी अपार्टमेंट भरालुमुख, गुवाहाटी, असम मो. ६००३१२४४६३	**श्रीमती अंतिमा जैन** लेगी कॉम्प्लेक्स, नाहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८९२९५९५४५१	**श्रीमती अरुणा देवी साम्सुखा** मेसर्स - श्री करणी स्टोर्स मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७४०१११	**श्री अशोक कुमार शर्मा** मेसर्स - सुभाष राइस मिल राहा, नगांव, असम मो. ९९५७४५०५६०
श्रीमती अमिता करनानी मेसर्स – स्टील हार्डवेयर चापागुड़ी, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५३२६६५७	**श्रीमती अनीता अग्रवाल** नाहरलगुन, पापुम पेयर अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३२३६०४४४	**श्रीमती अनुज जाजोदिया** वी.आई.पी. कॉलोनी बोंगाईगाँव, असम मो. ९१२७०८९६९५	**श्रीमती आशा अग्रवाल** श्री कृष्णा ड्रग्स के पास, बी. टी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ८७६१८६३२३१	**श्री अशोक सिओटिया** एस.जे. रोड, अठगाँव गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५४०४१५
श्री आनंद अग्रवाल मेसर्स - तलसी ट्रेडिंग कंपनी दमदुमा, तिनसुकिया, असम मौ. ९४३५१३६२८५	**श्रीमती अनीता अग्रवाल** बोंगाईगाँव, असम मो. ८४८६५१४३५३	**श्री अनुज लोहिया** संग्राम निलय अपार्टमेंट बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४१९५७००	**श्रीमती आशा जैन** प्रथम तला, बिलपार रोड, रेहबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९८१०९९९८४३	**श्रीमती बबीता अग्रवाल** न्यू रूपनगर बायलेन कुमारपाड़ा, कामरूप, असम मो. ७००२२८३३२५

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती बबीता अग्रवाल ओल्ड आईटी रोड, गौरीपुर कामरूप, असम मो. ९४३५८९५५८०	**श्री भँवर लाल गिनोरिया** नेहरू रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५४१४५६९	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** कोलिया पानी रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९९५४०५०३५५	**श्री बिनोद कुमार गंग** मदन मोहन रोड, करीमगंज बाजार, करीमगंज, असम मो. ९४३५०७४७१६	**श्रीमती दीपा बजाज** अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४२०४८५०
श्रीमती बबीता खेतान प्राची मेडिकोज के पीछे, कुमारपाड़ा, कामरूप, असम मो. ९८६४०८३०४७	**श्री भवानी शंकर अग्रवाल** बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७२५९३७	**श्री विकास कुमार जैन** सिलभांगा, जागीरोड मारीगाँव, असम मो. ९४३५०६४७५१	**श्री बिनोद कुमार हरलालका** मेसर्स - शिव भगवान हरलालका मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१४४५	**श्री दीपक गाड़ोदिया** आर.के.बी. पथ डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३४३६३
श्रीमती बबीता पोद्दार जी-एक्सटेंशन, नाहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७९८३१७२५०	**श्री भवानी शर्मा** जी.एच.एस. रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९८५४२०९१३५	**श्री विक्की केजरीवाल** शांतिपाड़ा, पूजा लेन डिब्रूगढ़, असम मो. ८०१११९२८१६	**श्री बिनोद कुमार शर्मा** कुलाजन पेट्रोल पंप, कुलाजन, धेमाजी, असम मो. ९८२९६४८८४६	**श्रीमती दीपिका जांगीर** पार्बतीपुर, सी.आर. स्टील के पास, हारमोती, लखीमपुर, असम मो. ७९७६१३३६८१
श्री बाबूलाल जैन जी. एम. कॉलोनी, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१०१२१९३२९	**श्री भँवर लाल बिजराणिया** मेसर्स - आर. एल. एंटरप्राइजेज, मेन रोड, धेमाजी, असम मो. ८१३३९७९७३०	**श्रीमती बिमला देवी अग्रवाल** सालबारी, बी.ओ.सी. गेट बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५१२०६१७	**श्री बिनोद शर्मा** ८, नंबर सुकरेटिंग, डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ६०००२०२७३३	**श्री धर्मेंद्र कुमार लुनिया** शास्त्री रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२००७८
श्री बजरंग कुमार सुराना तालाब मार्केट, एस.आर. सी.बी रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५४०४८१९	**श्री भीकम चंद प्रजापत** पुराना चार्ली, राहा नगाँव, असम मो. ७००२९३२७५७	**श्रीमती बीना अग्रवाल** मेसर्स - शिव शक्ति एंटरप्राइज पगलास्थान, बोंगाईगाँव, असम मो. ९७०७६८९६३४	**श्री विष्णु खेतान** न्यू चार्ली, राहा, नगाँव, असम मो. ९४३५१६१५६४	**श्री धर्मेश पारीक** ए.टी. रोड, मोरानहाट शिवसागर, असम मो. ९८६४८७००९७
श्री बजरंग लाल बिजरानिया मेसर्स - श्री जगदंबा हार्डवेयर जनई रोड, धेमाजी, असम मौ. ६३७६४९६६३६	**श्री विवेक अग्रवाल** मेसर्स - अग्रवाल सेनेटरी बोंगाईगाँव, असम	**श्रीमती बीना सुरेखा** मेसर्स - सुरेखा इलेक्ट्रिकल्स चापागुड़ी, बोंगाईगाँव, असम मो. ८६३८१८०२४८	**श्री विश्वंभर शर्मा** ए.के. आज़ाद रोड, रेहाबाड़ी, कामरूप, असम मो. ९४३५५५३०८६	**श्री धीरज बोथरा** बोंगाईगाँव, असम मो. ७६३८०४०१५५
श्री बरुण अग्रवाल जी.एन.बी. रोड, ढाकापट्टी नगांव, असम मो. ७००२२०८२२८	**श्री विजय धानुका** ओल्ड मेन रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९९५४४४७३८५	**श्रीमती बिंदु मोहता** फाटासिल अम्बारी गवाहाटी, असम मौ. ९६५४४३२९५९	**श्री बृज मोहन बहेती** आइस फैक्ट्री के पास, उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१२७२३८२१९	**श्री धीरज कुमार कुंडालिया** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम मो. ९४३५०९०८३७
श्री बसंत जैन ए.टी. रोड, जागीरोड मारीगांव, असम मो. ९८६४०७७७२९	**श्री विजय कुमार हरलालका** दास पट्टी, करीमगंज, असम मो. ९४३५३७६५१७	**श्री विनोद जैन** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४१५४८	**श्री चाहत पोद्दार** हैबरगाँव पुलिस स्टेशन के पास, नगाँव, असम मो. ९७०६४८९०६७	**श्रीमती दीक्षा शर्मा** द्वारा - हनुमान कॉटन, डी. के. रोड, लखीमपुर, असम मो. ८८२२९८११४२
श्री बसंत कुमार अग्रवाल मिलनपुर, वार्ड नंबर- ०७ डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५२४८०९६	**श्री विजय कुमार कनोई** ए.टी. रोड, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९४३५०१२६००	**श्री विनोद कुमार बहेती** मेसर्स - बहेती मार्केटिंग बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५३२६५२४	**श्रीमती चंदा देवी भंसाली** ए.ओ.सी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९७०७१२४३८४	**श्री दिलीप दुग्गड़** बिनोदिनी मार्केट, ए. टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९९५४२१३२७९
श्री बासु दमानी मेसर्स - मेडिकोज चर्च रोड, दीमापुर, असम मो. ९४३६००२५८९	**श्री विजय कुमार पुगलिया** ईस्ट मार्केट, पोस्ट - करीमगंज, करीमगंज, असम मो.	**श्री बिनोद कुमार बजाज** जी.एम. गट्टानी मार्केट, ए. टी. रोड, जोरहाट, असम मो. ९४३५६०६८१०	**श्रीमती चंदा शर्मा** एन.टी. रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९७०६३६८४०५	**श्री दिलीप कुमार बलदुआ** १९४, पी.एच.सी.जी. पथ डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९७०७६८४९३३
श्रीमती बीना अगरवाला एम.आर. एजेंसी बिल्डिंग चापागुड़ी, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०९३२	**श्री विजय कुमार सरावगी** मेसर्स - विजय ट्रेडर्स मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०४०६	**श्री बिनोद कुमार चांडक** बी.ओ.सी. गेट, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०४७३	**श्री चंदन पारीक** लोखरा रोड, अदागोदाम कामरूप, असम मो. ९८६४१७२७८२	**श्री दिलीप कुमार जैन** भाकरीविटा, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४१९४८७६
श्री भगीरथ अग्रवाल खेलमती, उत्तर लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ८६३८५३८३०५	**श्री विकास जैन** आर.के.बी. पथ, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३०४०८	**श्री बिनोद कुमार चौधरी** बोरमुरिया, पानबाड़ी रोड धेमाजी, असम मो. ७७३७३५५७७७	**श्री चंदू कुमार अग्रवाल** मेसर्स - बंसीधर आनंदीलाल जी एस रोड, दीमापुर, असम मो. ९४३६००३६५१	**श्री दिलीप सेठी** एसेक्टोट मेन रोड, नहारलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२५१८१६

RUPA
FRONTLINE
YEH STYLE KA MAMLA HAI!
SCAN & EXPLORE
Toll-free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
We are also available at:
amazon | Flipkart | JioMart

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 30th April, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com